राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 50 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली,शनिवार ,21 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

पीएम मोदी की सोमनाथ मंदिर को सौगात, कई परियोजनाओं का किया शिलान्यास, कहा- दुनिया अभी भी आतंकी सोच से पीड़ित

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर परिसर में माता पार्वती मंदिर के शिलान्यास, सोमनाथ समुद्र दर्शन तथा संग्रहालय के शिलान्यास व लोकार्पण समारोह को आनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि आतंक का अस्तित्व अधिक समय तक नहीं रह सकता, कुछ समय तक ताकत के बल पर सत्ता हथिया सकता है, लेकिन उसका टिके रहना मुश्किल होता है। प्रधानमंत्री ने नाम लिए बिना अफगानिस्तान में बंदूक की नोंक पर सत्ता हथियाने वाले तालिबान की ओर की स्पष्ट इशारा किया। मोदी ने कहा आतंक से आस्था को नहीं कुचला जा सकता। सोमनाथ मंदिर इसका जीता-जागता उदाहरण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि सोमनाथ मंदिर समारोह के समारोह में दिल्ली से आनलाइन जुड़ रहा हूं, लेकिन मन से वहीं पर महसूस करता हूं। सरदार पटेल ने आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार अपने दृढ़संकल्प से किया मैं उनको नमन करता हूं। समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जहां वर्चुअल शामिल हुए। वहीं, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल तथा गुजरात के पर्यटन मंत्री जवाहर चावड़ा सोमनाथ में मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन से जब आधुनिकता जुड़ती है तो कैसे परिवर्तन आते हैं, यह गुजरात में देखा है। कच्छ से लेकर द्वारका सोमनाथ तीर्थस्थलों का विकास आसपास के क्षेत्रों में भी बदलाव लाया। देश व दुनिया के श्रद्धालु व पर्यटक यहां आते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को जूना सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लाभ होंगे। पार्वती माता का मंदिर निर्माण एक अभूतपूर्व घटना है। समुद्र के किनारे खड़े हमारे मंदिर पर्यटन व आस्था के बड़े केंद्र हैं, जिससे वहां के आसपास के इलाकों का भी विकास होता है।

भगवान शिव की भूमि सोमनाथ- सोमनाथ सदियों से भगवान शिव की भूमि रही है। शास्त्रों में कहा गया है, जो सिद्धि व कल्याण को प्राप्त करें, वही शिव है। संहार में भी सृजन को जन्म देने वाले भगवान सोमनाथ हैं, शिव अनादि योगी हैं। भगवान शिव का मंदिर हमें प्राचीनता और हमारे अस्तित्व का बोध कराता है। दुनिया का कोई भी व्यक्ति जब इस स्थापत्य की अद्भुत कला को देखता है तो उसे केवल एक मंदिर नजर नहीं आता, बल्कि हजारों सालों की सभ्यता और संस्कृति नजर आती है, जो सबको प्रेरणा देती है। हमारे ऋषि-मुनियों ने प्रभास याने प्रकाश, ज्ञान का क्षेत्र के रूप में विकसित किया। आस्था को आतंक से नहीं कुचला जा सकता। इस मंदिर को कई बार तोड़ा गया नष्ट किया गया। प्रतिमाओं को खंडित किया गया। अस्तित्व को मिटाने का हर संभव प्रयास किया गया। जितने भी बार इसे गिराया गया, यह उतनी ही बार खड़ा हुआ।

भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए एक विश्वास- सोमनाथ मंदिर आज भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए एक विश्वास है। एक आश्वासन भी है। जो तोड़ने वाली शक्तियां हैं, जो आतंक के बूते शक्ति का प्रदर्शन करती है। कुछ समय के लिए भी हावी हो सकती हैं, लेकिन उनका अस्तित्व कभी स्थाई नहीं हो सकता। वह ज्यादा दिनों तक मानवता को दबाकर नहीं रख सकती हैं। यह बात जितनी तब सही थी, जब कुछ आतताई सोमनाथ को गिरा रहे थे, उतनी ही सार्थक आज भी है। सोमनाथ मंदिर के भव्य विकास व निर्माण की यात्रा कुछ सालों का नहीं, बल्कि सदियों की दृढ़ इच्छाशक्ति तथा वैचारिक भावना का प्रमाण है। राष्ट्रपति डा राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल कन्हैयालाल मुंशी के संकल्प का परिणाम है। आज राम मंदिर के रूप में भारत के गौरव का प्रतिबिंब खड़ा हुआ है। इतिहास से सीखकर, वर्तमान को सुधारने की एक नया भविष्य बनाने की कहानी है। यह केवल भौगोलिक एवं वैचारिक निर्माण नहीं है। यह हमारे अतीत से जोड़ने का प्रकल्प है। हमने अतीत के खंडहरों पर आधुनिक गौरव का निर्माण किया है। अतीत के संस्करणों को संजोया है। डा राजेंद्र प्रसाद जी ने कहा था सदियों पहले भारत सोना-चांदी का भंडार हुआ करता था दुनिया के सोने का बड़ा हिस्सा भारत के मंदिरों में विद्यमान था। सोमनाथ मंदिर को कब तोड़ा गया, जब एक भव्य मंदिर के साथ समृद्ध भवन में भी तैयार खड़ा था।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्वती मंदिर की आधारशिला भी रखी। इसका निर्माण कुल 30 करोड़ रुपये के परिव्यय से किया जाना प्रस्तावित है। इसमें सोमपुरा सलात शैली में मंदिर निर्माण, गर्भ गृह और नृत्य मंडप का विकास शामिल है। इस खास अवसर पर गुजरात के मुख?यमंत्री विजय रूपाणी और अन?य गणमान?य व?यक्ति सोमनाथ मंदिर में मौजूद हैं। माता पार्वती का यह मंदिर श?वेत पत?थरों से बनाया जाएगा तथा इसकी ऊंचाई 71 फीट होगी। सोमनाथ मंदिर ट्रस?ट के ट्रस?टी पी के लहरी ने बताया कि सोमनाथ मंदिर के ठीक सामने पार्वती माता के मंदिर का निर्माण होगा। सफेद पत?थरों से बनने वाले इस मंदिर की ऊंचाई 71 फीट की होगी तथा अपने आप में ऐसा पहला मंदिर होगा। मंदिर 66 स्तंभों पर बनेगा तथा इसका क्षेत्रफल 18891 फीट होगा जिसमें गर्भगृह सभा मंडप, माताजी की सभा जैसे खंड होंगे।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के देहरादून पहुंचने पर स्वागत करते हुए।

मनसुख मांडविया की इस पहल से दूर होगी आयुष्मान भारत की खामी, जमीनी स्तर पर प्रभावी बनेगी योजना

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत तीन पहल 'आयुष्मान अधिकार पत्र', 'आयुष्मान अभिनंदन पत्र' और 'आरोग्य मित्र' की शुरुआत करने की घोषणा की. माना जा रहा है कि इन तीनों कदमों से प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन में अधिक सहूलियत होगी और इस योजना के क्रियान्वयन में जो खामियां हैं, उन्हें दूर करके इस योजना को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाया जा सकेगा.

स्वास्थ्य मंत्रालय के विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि आयुष्मान भारत का क्रियान्यन देखने वाली नेशनल हेल्थ एजेंसी को मनसुख मांडविया ने मंत्री बनने के तुरंत बाद ही यह जिम्मेदारी दी थी कि हमें इस योजना को और प्रभावी बनाना है और इसके लिए हरसंभव उपाय करने हैं. सूत्रों का दावा है कि मांडविया ने नेशनल हेल्थ एजेंसी के अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिया था कि इस योजना में हमें हर स्तर पर ऐसे उपाय करने हैं जिससे इलाज कराने वालों को कोई असुविधा न हो, इसका लाभ हर वर्ग के व्यक्तियों तक पहुंचे और इस योजना का लाभ उठाने वाले लोग जो भी समस्याएं झेल रहे हों, उसकी जानकारी हमें नियमित तौर पर मिले ताकि हम इस योजना में जरूरी सुधार ला सके.

मनसुख मांडविया की इन बातों से नेशनल हेल्थ एजेंसी को यह स्पष्ट हो गया कि नए स्वास्थ्य मंत्री को यह बहुत अच्छे से पता है कि इस योजना के क्रियान्वयन में कहां दिक्कतें आ रही हैं और वे इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं. इसके बाद नेशनल हेल्थ एजेंसी ने स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर काम करना शुरू कर दिया. इन्हीं कोशिशों से तीन नई पहल सामने निकलकर आई.

इन तीनों नई पहल को लागू करने की घोषणा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को एक कार्यक्रम में की. आयुष्मान भारत-जन आरोग्य योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होकर इलाज पाने वाले लोगों की संख्या 2 करोड़ पर पहुंचने के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत अब तक जिन 2 करोड़ लोगों का इलाज हुआ है, उन्हें इस योजना ने 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत कराई है.

मनसुख मांडविया ने की नई पहल- मनसुख मांडविया की पहल पर लॉन्च किए गए 'आयुष्मान अधिकार पत्र' के तहत यह व्यवस्था होगी कि जब भी जन आरोग्य योजना का कोई लाभार्थी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने जाएगा तो उस वक्त ही उसे इस योजना के लाभार्थी के तौर पर हासिल अधिकारों और इसके तहत मिलने वाली सुविधाओं की स्पष्ट जानकारी दी जाएगी. इसे लॉन्च करते वक्त इसके महत्व को रेखांकित करते हुए मांडविया ने कहा, 'अब जब कोई भी व्यक्ति इस योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होने जाएगा तो उसे इस पत्र के जरिए पहले ही बता दिया जाएगा कि जन आरोग्य योजना के लाभार्थी के नाते क्या अधिकार हैं और उसे क्या-क्या सुविधाएं मिल सकती हैं. इससे लाभार्थियों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की पहले से जानकारी रहेगी और उन्हें बेहतर ढंग से ये सेवाएं मिल पाएंगी.' 'आरोग्य मित्र' के तहत ऐसे वॉलंटियर्स जन आरोग्य योजना से जोड़े जाएंगे जो आम लोगों के बीच इस योजना को लेकर जागरूकता फैलाएं. आरोग्य मित्रों का यह काम भी होगा कि जो कम पढ़े-लिखे लोग इस योजना का लाभ नहीं ले पाते, उन्हें ये लोग इस योजना का लाभ लेने में मदद करेंगे. ये लोग लाभार्थियों का 'आयुष्मान कार्ड' बनवाने में भी मदद करेंगे. जो भी लोग आरोग्य मित्र बनना चाहते हैं, वे जन आरोग्य योजना की वेबसाइट पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं.

स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर तीसरी प्रमुख पहल के तौर पर 'आयुष्मान अभिनंदन पत्र' लॉन्च किया गया. यह एक 'धन्यवाद पत्र' है. यह पीएम-जेएवाई के तहत उपचार के बाद डिस्चार्ज होने के वक्त इस योजना के लाभार्थियों को दिया जाएगा. इसके साथ लाभार्थी से योजना के तहत प्राप्त सेवा के लिए फीडबैक भी मांगी जाएगी. इस फीडबैक के आधार पर जन आरोग्य योजना को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे. स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों का दावा है कि इन तीनों पहलों से आयुष्मान भारत-जन आरोग्य योजना को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाया जा सकेगा और इसके लाभार्थियों को पहले के मुकाबले बेहतर ढंग से स्वास्थ्य सेवाएं मिल पाएंगी.

एक नज़र...

बुर्किना फासो में आतंकी हमले में 80 लोगों की मौत

औगाडौगु । पश्चिम अफ्रीकी देश बुर्किना फासो के उारी हिस्से में आतंकवादियों के हमले में 80 लोग मारे गए है। संचार मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि ताजा जानकारी के अनुसार आतंकवादियों ने 65 नागरिक की हत्या कर दी हैं। इस हमले में कथित तौर पर 15 सुरक्षाकर्मी भी मारे गए है। एआईबी समाचार एजेंसी ने बुधवार रिपोर्ट दी थी कि उत्तरी प्रांत सौम में

हमले में कम से कम 50 लोग मारे गए है। बुर्किना फासो का उारी भाग 2016 से अल- कायदा और इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठनों से जुड़े इस्लामी समूहों की गतिविधियों से पीड़ित है।

लालू परिवार तक पहुंचा तेजप्रताप-जगदानंद विवाद

पटना । राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बड़े पुत्र एवं विधायक तेजप्रताप यादव और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बीच का घमासान अब लालू परिवार के अंदर तक पहुंच गया है। घमासान के बीच विधायक श्री यादव विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता एवं छोटे भाई तेजस्वी प्रसाद यादव से शुक्रवार को यहां पूर्व मुयमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर मिलने के लिए गए। हालांकि कुछ देर बाद ही श्री यादव राबड़ी देवी के आवास से बाहर निकल आए और प्रतिपक्ष के नेता के बेहद करीबी संजय यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि दो भाइयों के बीच में वह आ रहे हैं।

संस्कृत दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल के संदेश का प्रसारण

जयपुर । राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र संस्कृत दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार शाम को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी पर प्रदेशवासियों को सबोधित करेंगे। श्री मिश्र का इस मौके पर प्रदेशवासियों के नाम संदेश का राज्यस्तरीय प्रसारण शनिवार को दूरदर्शन राजस्थान से सायं 6:54 बजे पर और आकाशवाणी के राजस्थान स्थित सभी केन्द्रों से शाम सात बजे यह संदेश प्रसारित होगा।

पूर्व भाजपा मंत्री अनिल जोशी अकाली दल में गए

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व निकाय मंत्री अनिल जोशी सहित भारतीय जनता पार्टी के कई नेता शुक्रवार को शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गए। शिअद के प्रधान एवं सांसद सुखबीर बादल ने उनका पार्टी में स्वागत करते हुए श्री जोशी को अमृतसर नार्थ विधानसभा क्षेत्र से

बीजेपी ने विपक्षी एकता के आह्वान को लेकर कांग्रेस पर कसा तंज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने शुक्रवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्षी दलों के एकजुट होने का कांग्रेस का आह्वान दर्शाता है कि जनता द्वारा ''खारिज'' कर दिए जाने के बाद प्रमुख विपक्षी दल ने अपना विश्वास खो दिया है.केंद्र की सत्ता पर पिछले सात सालों से अधिक समय से काबिज बीजेपी ने यह दावा किया कि देश के विकास के लिए लोगों का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है. बीजेपी के मीडिया विभाग के प्रमुख और राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी ने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न चुनावों में कांग्रेस को मिली पराजय का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की जनता का अब कांग्रेस पर भरोसा खत्म हो गया है. उन्होंने कहा, ''यह अच्छा है कि कांग्रेस का अब खुद पर से भी विश्वास उठ गया है और इसलिए वह सहयोगी दलों की ओर देख रही है. लेकिन कांग्रेस की टूटी बैसाखी में किसी को दिलचस्पी नहीं है.

इस मायूसी में वह कितने ही हाथ पांव मारे, उसका भविष्य निराशाजनक है.'' बलूनी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को प्रगति और विकास के रास्ते पर पहुंचाया है और उन्हें लोगों का समर्थन हासिल है. ज्ञात हो कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार को 19 विपक्षी दलों के नेताओं से डिजिटल माध्यम से संवाद किया और सभी से 2024 के लोकसभा के चुनाव के लिए एकजुट होने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि देश के संवैधानिक प्रावधानों और स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों में विश्वास रखने वाली सरकार के गठन के लिए विपक्ष की पार्टियों को अपनी विवशताओं से ऊपर उठना होगा. उन्होंने यह भी कहा कि इस समय विपक्षी दलों की एकजुटता राष्ट्रहित की मांग है और कांग्रेस अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेगी.

2024 के लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट हों विपक्षी दल, 19 पार्टियों की बैठक में सोनिया गांधी की अपील

नई दिल्ली । कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार को विपक्षी दलों के नेताओं के साथ की गई बैठक में भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि सिर्फ संसद में ही नहीं, बल्कि बाहर भी विपक्षी दलों को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हमें अपने देश को स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों और हमारे संविधान के सिद्धांतों और प्रावधानों में विश्वास करने वाली सरकार देने के उद्देश्य से व्यवस्थित रूप से योजना बनाना होगा। इसके लिए सभी को एकजुट होना पड़ेगा। सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई इस बैठक में कांग्रेस समेत 19 विपक्षी दल के नेता शामिल हुए।

वर्चुअली बैठक में 19 पार्टियों के नेता शामिल थे। इसमें ष्ठरूष्ट्य के एमके स्टालिन, ञ्जरूष्ट की ममता बनर्जी, छ्वरूरू के हेमंत सोरेन, ह्रष्टक्क के शरद पवार, लोकतांत्रिक जनता दल के शरद यादव और ष्टक्कढ्ढ(रू) के सीतराम येचुरी मौजूद थे।

शिवसेना नेता संजय राउत ने आज सुबह बताया था कि इस बैठक में 2024 लोकसभा चुनाव ओर आगामी राज्य चुनावों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। ह्रष्टक्क नेता नवाब मलिक ने बताया, कांग्रेस अध्यक्ष की समवैचारिक पार्टियों की बैठक में ह्रष्टक्क को भी निमंत्रण दिया गया है। शरद पवार आज शाम 4:30 बजे इस बैठक में शामिल होंगे। आज होने वाली इस बैठक को लेकर पहले ही कहा गया था कि इसमें पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और झारखंड के मुख्यमंत्री समेत 18 विपक्षी दल के नेता शामिल होंगे लेकिन दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) शामिल नहीं होगी। इसके अलावा बैठक के लिए शिरोमणि अकाली दल को भी आमंत्रित नहीं किया गया है।

पार्टी नेताओं के अनुसार विपक्षी दलों के साथ बैठक में सोनिया गांधी हाल में खत्म हुए संसद के मानसून सत्र पर चर्चा होगी। इसके अलावा बैठक में आर्थिक मंदी, महामारी कोविड-19 के लिए व्यवस्था पेगासस प्रकरण और किसानों के प्रदर्शन के मामलों पर भी चर्चा होगी। मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विपक्षी दलों को ब्रेकफास्ट पर बुलाया और मीटिंग की थी। कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने भी 9 अगस्त को डिनर पार्टी आयोजित किया था।

इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर इन्वेस्टर्स के सभी विवादों का करेगा निपटारा, तैयार होगा दोस्ताना माहौल: एनवी रमना

हैदराबाद। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने शुक्रवार को कहा कि हैदराबाद में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र सभी निवेशकों को अपने विवादों को जल्दी निपटाने में मदद करेगा. इससे निवेशकों के बीच दोस्ताना माहौल तैयार करने में भी मदद मिलेगी. दरअसल, आज एनवी रमना की मौजूदगी में तेलंगाना हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश हिमा कोहली के आवास पर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र के लिए एक ट्रस्ट डीड का रजिस्ट्रेशन किया गया है.

सीजेआई ने प्रस्तावित केंद्र के लिए बुनियादी ढांचा और वित्तीय सहायता देने के आश्वासन को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और मुख्य न्यायाधीश हिमा कोहली के प्रति आभार व्यक्त किया. एनवी रमना ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज तीन महीने के अंदर ही हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र का उनका सपना सच हो गया.

मुख्य न्यायाधीश हिमा कोहली के आवास पर आयोजित एक समारोह में एनवी रमना ने कहा कि कंपनियों के व्यापार विवादों को हल करने के लिए हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र स्थापित करने की ओर यह पहला कदम है. वर्तमान में कंपनियां अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवादों को सुलझाने के लिए सिंगापुर जैसे देशों पर निर्भर हैं. ट्रस्ट डीड के रजिस्ट्रेशन के लिए आयोजित कार्यक्रम में सीजेआई के साथ ही सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एल नागेश्वर राव, आर सुभाष रेड्डी, तेलंगाना के मंत्री केटीआर और इंद्रकरण रेड्डी मौजूद रहे.

बता दें कि वर्ष 1926 में पहला अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र शुरू हुआ था. इस समय कंपनियां आर्बिट्रेशन के लिए सिंगापुर, दुबई पर निर्भर हैं. सीजेआई एनवी रमना ने कहा, 'अब स्थिति बदल रही है. अपने विवाद सुलझाने के लिए अब अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ हैदराबाद आएंगे.' इसके साथ ही सीजेआई ने जस्टिस नागेश्वर राव से मध्यस्थता केंद्र स्थापित करने की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया. उन्होंने इसे जल्द से जल्द पूरा करने की कामना की. अपना सपना पूरा होने पर खुशी जताते हुए सीजेआई ने कहा कि यह केवल मुख्यमंत्री केसीआर और हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश हिमा कोहली के सहयोग के कारण ही संभव हो पाया है.

सीजेआई ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की सेवाओं को भी याद किया और बताया कि उनके कार्यकाल में कैसे मध्यस्थता अधिनियम ने आकार लिया. इस दौरान मंत्री केटीआर ने कहा कि हैदराबाद जैसे तेजी से बढ़ते औद्योगिक और व्यापार केंद्र में मध्यस्थता केंद्र स्थापित करना बड़ी उपलब्धि है. आपने असंभव को भी संभव बनाया है.

जायडस कैडिला के कोरोना वैसीन को मंजूरी मिलने पर पीएम मोदी ने जताई खुशी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जायडस कैडिला के टीके को आपातकालीन उपयोग की मंजूरी मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारत पूरी ताकत के साथ कोविड-19 से लड़ रहा है. इस मौके पर उन्होंने देश के वैज्ञानिकों को भी सराहा. पीएम मोदी ने कहा, ÷दुनिया के पहले डीएनए-आधारित जायडस कैडिला के 'जायकोव-डी' टीके को मंजूरी भारत के वैज्ञानिकों के अभिनव उत्साह का प्रमाण है.

इससे पहले, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने बताया कि देश में बने जाइडस केडिला के कोविड टीके जोइकोव-डी को भारत के औषधि महानियंत्रक से आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिल गई है. इस टीके को 12 साल व इससे अधिक उम्र के लोगों को दिया जा सकेगा. आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिलने के बाद जाइकोव-डी देश का पहला ऐसा टीका बन गया है जो 12 से 18 वर्ष के आयुवर्ग को दिया जा सकेगा.

कोविशील्ड, कोवैक्सीन एवं स्पूतनिक-वी केवल उनलोगों को दिया जा रहा है जिनकी उम्र 18 साल से अधिक है और इन टीकों को दो खुराक में दिया जा रहा है. इसके विपरीत जाइकोव-डी 12 से 18 वर्ष के आयुवर्ग में तीन खुराक में दिया जा सकेगा. डीबीटी ने बताया कि जोइकोव-डी डीएनए आधारित कोरोना वायरसरोधी दुनिया का पहला टीका है. इसके अनुसार टीके की तीन खुराक दिए जाने पर यह सार्स-सीओवी -2 वायरस के स्पाइक प्रोटीन का उत्पादन करता है जो बीमारी तथा वायरस से सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है.

सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने यह भी कहा कि 'प्लग-एंड-प्ले' तकनीक जिस पर 'प्लाज्मिड डीएनए प्लेटफॉर्म' आधारित है, वायरस में उत्परिवर्तन से भी आसानी से निपटती है, जैसा कि यह पहले से हो रहा है. विभाग ने कहा, 'भारत के औषधि महानियंत्रक से जाइडस केडिला के टीके जाइकोव-डी को आज अर्थात 20 अगस्त को आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है. कोविड-19 रोधी यह दुनिया का पहला और देश में विकसित ऐसा टीका है जो डीएनए पर आधारित है. इसे 12 साल की उम्र के अधिक के किशारों एवं वयस्कों को दिया जा सकता है.'

जाइडस केडिला ने कहा है कि जाइकोव-डी एक सुई मुक्त टीका है जो 'फर्मा जेट' का इस्तेमाल कर दिया जाता है. यह एक एप्लीकेटर (शरीर के किसी भाग में दवाई पहुंचाने के लिये इस्तेमाल किया जाने वाला यंत्र) है जो दर्दरहित तरीके से टीके को त्वचा के अंदर पहुंचाता है. डीबीटी ने कहा कि तीसरे चरण में 28 हजार स्वयंसेवकों पर किए गए क्लिनिकल ट्रायल के अंतरिम परिणामों में पता चला कि आरटीपीसीआर जांच में पॉजीटिव आये मामलों में प्राथमिक तौर पर इसकी प्रभावकारिता 66.6 फीसदी थी. इसने कहा कि कोविड-19 टीके के लिये भारत में अब तक का यह सबसे बड़ा ट्रायल था.

इससे पहले देश में पांच टीकों को मंजूरी मिली है. इनमें सीरम इस्टीट्यूट का कोविशील्ड, भारत बायोटेक का कोवैक्सीन, रूस का स्पूतनिक वी, तथा अमेरिका का मॉडर्ना एवं जॉनसान एंड जॉनसन का टीका शामिल है. इन टीकों में से कोविशील्ड, कोवैक्सीन एवं स्पूतनिक वी का देश में इस्तेमाल हो रहा है। इस मंजूरी के साथ जाइकोव-डी छठा टीका हो जायेगा.

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने साधारण बीमा कारोबार, ओबीसी विधेयक में संशोधन को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक, 2021 को अपनी स्वीकृति दे दी है। इससे साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) विधेयक, 1972 में संशोधन किया जा सकेगा। इसके अलावा राष्ट्रपति ने सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान करने के लिए राज्यों को सशक्त बनाने वाले संविधान (105वें संशोधन) अधिनियम, 2021 को भी अपनी सहमति दे दी है। संविधान (105वें संशोधन) अधिनियम, 2021 संसद द्वारा 11 अगस्त, 2021 को पारित किया गया था। कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी किए गए भारत के राजपत्र में कहा, अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 338क को खंड (9) में संशोधित करेगा, और एक प्रावधान सम्मिलित करेगा- बशर्ते कि इस खंड में कुछ भी अनुच्छेद 342 के खंड (3) के प्रयोजनों के लिए लागू नहीं होगा।

अधिनियम के अनुसार, प्रत्येक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश, कानून द्वारा, अपने उद्देश्यों के लिए, सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की एक सूची तैयार और बनाए रख सकता है, जिसमें प्रविष्टियां केंद्रीय सूची से भिन्न हो सकती हैं। इससे पहले, मराठा कोटा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा लाए गए मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को यह कहते हुए रद कर दिया था कि यह पहले लगाए गए 50 फीसद की सीमा से अधिक है।

संक्षिप्त समाचार

सिडनी में लॉकडाउन बढ़ाया गया, घर से बाहर निकलने वालों के लिए मास्क जरूरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहर सिडनी में लॉकडाउन सितंबर तक बढ़ा दिया गया है और कोरोना वायरस के डेल्टा प्रकार पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम शुक्रवार को लागू किए गए जिसमें कर्फ्यू और लोगों द्वारा बाहर निकलने पर मास्क लगाना शामिल है। न्यू साउथ वेल्स प्रांत में 24 घंटे की अवधि में कोविड-19 के 642 नये मामले सामने आये हैं। सिडनी हवाई अड्डे से एक अमेरिकी कार्गो के चालक दल के सदस्यों को ले जाने वाले एक वाहन के चालक के अधिक संक्रामक डेल्टा प्रकार से संक्रमित होने का पता चलने के बाद जून के अंत से सिडनी में लॉकडाउन लगाया गया था। तब से, न्यू साउथ वेल्स में कोविड-19 से 65 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से चार व्यक्तियों की मौत कल रात हुई। सिडनी में लॉकडाउन 28 अगस्त को समाप्त होना था लेकिन प्रांतीय सरकार ने घोषणा की कि यह 30 सितंबर तक जारी रहेगा। पूरे प्रांत में पिछले सप्ताह से लॉकडाउन है। सबसे अधिक प्रभावित सिडनी उपनगरों में सोमवार से रात नौ बजे से शाम पांच बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा। पूरे प्रांत में घरों के बाहर निकलने पर मास्क पहनना अनिवार्य होगा।

जापान ने कोविड-19 से निपटने के लिए आपात कदम उठाए, एक दिन में आए 25,146 नए मामले

तोक्यो। जापान के ज्यादातर इलाकों में कोविड-19 महामारी के संक्रमण को फैसले से रोकने के लिए शुक्रवार को ''आपातकाल'' लागू किया गया तथा साथ ही कुछ इलाकों में ''अर्द्ध-आपातकाल'' लागू किया गया। हालांकि इसे लेकर चिंता बनी हुई है यह कितना प्रभावी साबित होगा। अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गयी है और अस्पतालों द्वारा मरीजों को लौटाए जाने की शिकायतें आ रही है। यह आपातकाल 12 सितंबर तक लागू रहेगा और रेस्त्रां तथा बार से रात आठ बजे तक काम बंद करने को कहा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोविड-19 के एक दिन में 25,146 नए मामले आए। इस हफ्ते संक्रमण के औसतन 20,307 मामले आए। सरकार ने इस हफ्ते की शुरुआत में आपातकाल तोक्यो और ओकीनावा समेत 13 इलाकों तक बढ़ाने का फैसला किया था जो पहले छह इलाकों में लगा हुआ था। अर्द्ध-आपातकाल 16 इलाकों में लागू है यानी कि जापान की दो तिहाई आबादी पाबंदियों में है। जापान में करीब 40 प्रतिशत वयस्कों को पूरी तरह टीका लग चुका है। करीब 15,500 लोगों की कोविड-19 के कारण मौत हो चुकी है।

बुल्गारिया की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी ने सरकार बनाने से किया इनकार

सोफिया, 20 अगस्त (आईएएनएस)। बुल्गारिया की नई संसद में दूसरे सबसे बड़े समूह, जीईआरबी-यूडीएफ गठबंधन ने शुक्रवार को सरकार बनाने के राष्ट्रपति रुमेन रादेव के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गठबंधन के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार डेनियल मिटोव ने अन्य दलों के समर्थन की कमी के कारण राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित खोजपूर्ण जनादेश को ठुकरा दिया है। मितोव ने कहा कि दुर्भाग्य से, हम इस जनादेश को पूरा करने की संभावना नहीं देखते हैं। मितोव के गठबंधन के पास 240 सदस्यीय संसद में 63 सीटें हैं। रादेव ने सबसे पहले नई सरकार बनाने का जिम्मा सबसे बड़ी देयर इज ए पीपल पार्टी को सौंपा था। तीसरा और अंतिम जनादेश छोटे संसदीय समूहों में से एक को दिया जाना चाहिए। उनमें से कुल 112 सीटों के साथ, वे एकजुट होने से बहुत दूर हैं। सरकार के गठन पर कोई सहमति नहीं होनी चाहिए, रादेव को संसद को भंग करना चाहिए और नए चुनाव निर्धारित करना चाहिए। जुलाई के मध्य में, जीईआरबी-यूडीएफ गठबंधन, जिसने इस साल अप्रैल में आम चुनाव जीता था, सरकार बनाने में विफल रहने के बाद मध्यावधि चुनाव हुए थे।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने की कैबिनेट में बदलाव की घोषणा की

कराकास। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अपने मंत्रिमंडल में कई बदलावों की घोषणा की, जिसमें सामाजिक और क्षेत्रीय समाजवाद के लिए नए उपाध्यक्ष के रूप में मर्विन माल्डोनाडो की नियुक्ति शामिल है। मादुरो ने कहा कि 21 नवंबर को होने वाले क्षेत्रीय और नगरपालिका चुनावों के लिए सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला के उम्मीदवारों के रूप में कई कैबिनेट मंत्रियों के चयन के बाद गुरुवार को घोषणा की गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने मुख्य एडमिरल रेमिगियो सेबेलोस इचासो को आंतरिक संबंध, न्याय और शांति का नया मंत्री और फेलिक्स प्लासेनिया को जॉर्ज अेंजा के स्थान पर नया विदेश मंत्री नियुक्त किया, जिन्हें पहले उद्योग और राष्ट्रीय उत्पादन मंत्री नियुक्त किया गया था। मोनागास के गवर्नर येलित्जे सैंटेला को शिक्षा के नए मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। इसके अलावा, एडमिरल विलियम सेरेंटेस पिंटो पारिस्थितिक खनन विकास मंत्री के रूप में काम करेंगे, जबकि मागरड गोडॉय कैरोलिस पेरेज की जगह महिला और लैंगिक समानता मंत्री के रूप में काम करेंगे।

अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता देगा न्यूजीलैंड

वेलिंग्टिन,। न्यूजीलैंड रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) और अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) को मानवीय सहायता के रूप में एनजेड 3 मिलियन डॉलर (2 मिलियन डॉलर) दे रहा है। इसकी जानकारी विदेशी मंत्री नानिया महुता ने शुक्रवार को दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, महुता ने एक बयान में कहा कि ये संगठन अफगानिस्तान में संकट प्रभावित समुदायों और पड़ोसी देशों में शरण लेने वालों के लिए जीवन रक्षक मानवीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यूएच-60 ब्लैक हॉक हेलिक़ॉप्टर, 35 हजार लॉन्चर, नाइट विजन से लेकर घातक ड्रोन, यूएस के अत्याधुनिक हथियारों का जखीरा अब तालिबान के हाथों में है

काबुल। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ी आसानी से ये कह तो दिया कि वो अफगानिस्तान में राष्ट्र निर्माण के लिए नहीं गए थे। जिस तरह से अफगानिस्तान ने कुछ ही दिनों के भीतर तालिबान के सामने घुटने टेक दिए। उसने अमेरिका की कूटनीतिक, वैश्विक जिम्मेदारी और तौर -तरीकों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद बाइडेन प्रशासन ने अमेरिकी बैंकों में रखी अफगान सरकार की संपत्ति को फ्रीज कर दिया। इससे तालिबान अमेरिकी बैंकों से अफगानिस्तान के खजाने को हासिल नहीं कर पाएं। लेकिन फिर भी काबुल पर फतह के बाद तालिबान के हाथों मानो दबा हुआ खजाना मिल गया। अमेरिकी फौज अत्याधुनिक हथियारों का जखीरा अफगानिस्तान में छोड़कर चली गई है। अब सबकुछ तालिबान के हाथ में है। एक अमेरिकी स्टाइल का हैलमेट और साथ में नाइट विजन माउंट के साथ। अच्छे-अच्छे देशों के कमांडो के पास ऐसे हेलमेट आपको नजर नहीं आएंगे। इसके साथ ही इनके शरीर पर मेड इन अमेरिका बॉडी ऑर्मर है। हाथों में यूएस एम-4 रायफल लिए ये कमांडो टैक्टिकल नी पैड पहने हैं। इसके साथ ही कम्युनिकेशन के लिए एक रेडियो भी है और अब तालिबानी लड़ाके आर्मेड हमवीज पर चलने लगे हैं। फोर्ब्स के अनुसार, ÷अकेले जून के महीने में तालिबान ने अफगान सुरक्षा बलों से हथियारबंद वाहन और आर्टिलरी के साथ ही 700 ट्रक और हमवीज़ पर कब्जा कर लिया।

तालिबान के हाथ लगा हथियारों का खजाना

अमेरिकी रक्षा विभाग की 2017 की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2001 से 2017 तक अमेरिका ने अफगान सेना के लिए 6 लाख से अधिक हथियारों की फंडिंग की। अमेरिका ने अफगान बॉर्डर पुलिस को 25 हजार से अधिक ग्रेनेड लॉन्चर और करीब 10 हजार रॉकेट चालित हथियार मुहैया कराए। अफगान सेना को अमेरिका की ओर से 1 लाख 62 हजार 643 संचार उपकरण मिले। इसके अलावा 76 हजार वाहन मिले। इन वाहनों में 22 हजार से ज्यादा हम्वीस शामिल हैं। 2007 में जब अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने अफगानिस्तान को एयरक्राफ्ट देने की मंजूरी दी, तब से 110 हेलीकॉप्टर और 98 विमान अफगानिस्तान को मुहैया कराए गए। जब अफगानिस्तान तालिबान के हाथों में पहुंचा है, तब अफगानी वायुसेना की संपत्तियां भी उसके कब्जे में आ गई हैं।

क्या-क्या लगा है हाथ

अमेरिकी सेना के मौजूदा खुफिया आकलन के आधार पर यूएस हमवी समेत 2000 सैन्य वाहन तालिबान के हाथ लग चुके हैं। इसके अलावा घातक यूएच-60 ब्लैक हॉक हेलिक़ॉप्टर समेत 40 विमान उनके कब्जे में हैं, जिनमें स्काउट अटैक हेलिकॉप्टर और स्कैन ईगल मिलिट्री ड्रोन भी है।

अमेरिकी सेना की बायोमीट्रिक डिवाइस भी हाथ लगी

तालिबान ने अमेरिकी सैन्य बायोमीट्रिक डिवाइसों को जब्त कर लिया है। ये डिवाइस विदेशी सुरक्षा बलों की सहायता करने वाले अफगानिस्तान के लोगों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं। द इंटरसेप्ट की रिपोर्ट के अनुसार हैंडहेल्ड इंटरएजेंसी आइडेंडटी डिटेक्शन इक्विपमेंट डिवाइस पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है। अमेरिकी अधिकारी इससे चिंतित हैं क्योंकि उन्हें डर है कि तालिबान द्वारा इन डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है।

चीन ने जोड़े को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए तीन-बाल नीति को दी मंजूरी

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन की राष्ट्रीय विधायिका ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा लायी गयी तीन बच्चों की नीति का शुक्रवार को औपचारिक रूप से समर्थन किया। यह नीति दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश में तेजी से कम होती जन्म दर को रोकने के मकसद से लायी गयी है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति ने संशोधित जनसंख्या एवं परिवार नियोजन कानून को पारित कर दिया जिसमें चीनी दंपत्तियों को तीन बच्चे तक पैदा करने की अनुमति दी गयी है।

चीन में बढ़ती महंगाई के कारण दंपति कम बच्चे पैदा कर रहे हैं और इन चिंताओं से निपटने के लिए कानून में अधिक सामाजिक और आर्थिक सहयोग के उपाय भी किए गए हैं। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' के अनुसार, नए कानून में बच्चों के पालन-पोषण और उनकी शिक्षा का खर्च कम करने के साथ ही परिवार का बोझ कम करने के लिए वित्त, कर, बीमा, शिक्षा, आवासीय और रोजगार संबंधी सहयोगात्मक कदम उठाए जाएंगे।

इस साल मई में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने दो बच्चों की अपनी सख्त नीति में छूट देते हुए सभी दंपतियों को तीन तक बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी। चीन ने दशकों पुरानी एक बच्चे की नीति को रद्द करते हुए 2016 में सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी। नीति निर्माताओं ने देश में जनसांख्यिकीय संकट से निपटने के लिए एक बच्चे की नीति को जिम्मेदार ठहराया था।

भारतीय दूतावासों में घुसे तालिबानी आतंकी, कई कागजात जब्त कर अपने साथ ले गए

काबुल (एजेंसी)।

काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद वहां खराब होते सुरक्षा हालात के मद्देनजर सरकार ने अफगानिस्तान का दूतावास खाली कर दिया। भारत सरकार अफगानिस्तान से अपने राजदूत और दूतावास के सभी कर्मियों को वापस ले आई है। लेकिन अब अफगानिस्तान के हेरात और कंधार स्थित भारतीय दूतावास से बड़ी खबर सामने आई है। तालिबानी आतंकियों ने हेरात और कंधार के भारतीय दूतावासों पर हमला किया है। तालिबान के आतंकियों ने दूतावास के कागजात खंगाले और वहां की तलाशी ली है।आतंकियों ने दूतावास के कागजात जब्त कर लिए हैं। इसके साथ ही तालिबानी आतंकी दूतावास के बाहर खड़ी कारें अपने साथ ले गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के पास तालिबान की खुफिया जानकारी थी। भारत को रिपोर्ट मिली थी कि लश्कर और हक्कानी के आतंकी भी काबुल में घुस गए हैं। भारत ने बिना देर करते हुए अफगानिस्तान से अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया।

दूतावास पर हमले के मायनें?

लगातार एबेंसी में जाना और वहां जाकर पूरी तलाशी करना, इस बात को दर्शाता है कि किसी भी तरीके से कोई पेपर या डॉक्यूमेंट छूट गया हो या हार्ड ड्राइव हो। जिससे ये पता लगाया जा सके कि आखिरकार कौन-कौन एबेंसी के साथ टच में था या कौन लोग हैं जो अभी भी भारत के साथ टच में रहते हैं।

दक्षिण अफ्रीकी के पूर्व रक्षा मंत्री चुने गए विधानसभा अध्यक्ष

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व रक्षा मंत्री नोसिविवे मापिसा-नककुला को नेशनल असेंबली (एनए) का अध्यक्ष चुना गया है।समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को चुनावों की अध्यक्षता संसद में एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अध्यक्ष जॉन होलोफ ने की थी, इस महीने की शुरूआत में राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा द्वारा तत्कालीन अध्यक्ष थांडी मोडिस को रक्षा और सैन्य दिग्गजों के मंत्री के रूप में नियुक्त करने के बाद हुआ था, जिन्होंने 2019 के बाद से पद संभाला था। रामफोसा ने उस समय कहा था कि मपिसा-नककुला को एक नए पद पर तैनात किया जाएगा। गवर्निंग पार्टी और संसद में सबसे बड़ी पार्टी, अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) से मापिसा-नककुला ने संसद की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी, डेमोक्रेटिक एलायंस (डीए) से अपने एकमात्र प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार एनेली लोट्रियट को गुप्त मतदान द्वारा एनए सदस्यों से 199 मतों से 82 मतों से हराया।

अफगानिस्तान के पतन के बाद कमला हैरिस की एशिया यात्रा का नया महत्व

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की दक्षिणपूर्व एशिया की यात्रा को नये मायने दिए हैं जहां वह दो दशक के युद्ध के अराजक अंत के बाद अमेरिकी संकल्प को लेकर सहयोगियों को आश्वस्त करने का प्रयास करेंगी। शुक्रवार से शुरू हो रही यात्रा, जिसमें सिंगापुर और वियतनाम के पड़ाव शामिल हैं, हैरिस को विदेशी मामलों में खुद को और अधिक सीधे तौर पर मुखर होने के लिए एक मंच प्रदान करेगी।

उनके पास इस बात की पुष्टि करने के अवसर होंगे कि वह और राष्ट्रपति जो बाइडन मानवाधिकारों सहित मूल अमेरिकी मूल्यों के रूप में किन चीजों को रखते हैं। तालिबान के सत्ता में वापस आने के साथ अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के भविष्य के बारे में चिंताओं को देखते हुए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। लेकिन इसमें काफी जोखिम भी हैं। लंबे समय तक जिला अटॉर्नी एवं पूर्व सीनेटर रहीं हैरिस अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और विदेश नीति में काफी हद तक नौसिखिया हैं। वियतनाम से उनका गुजरना, 1975 में अमेरिकी सैनिकों की अपमानजनक वापसी और अफगानिस्तान से अमेरिकियों एवं सहयोगियों को निकालने के लिए इस सप्ताह के अव्यवस्थित प्रयासों के बीच अवांछित तुलना का कारण बन सकता है। यह सब चीन की छत्रछाया में हो रहा है, जिसका बढ़ता प्रभाव कुछ अमेरिकी नीति निर्माताओं को चिंतित कर रहा है।

ओबामा प्रशासन के तहत वैश्विक कार्यक्रम निदेशक एवं लंबे वक्त तक राजनयिक रहे ब्रेट ब्रून ने कहा, 'वह खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ रही हैं, अफगानिस्तान में जो हो रहा है उस लिहाज से भी और चीन की चुनौती के लिहाज से भी, जो वियतनाम में विशेष तौर पर काफी बड़ी है।' उन्होंने कहा, 'अच्छा वक्त हो तो यह फैसला ठीक लगता है। लेकिन स्थिति अच्छी न हो तो यह मुसीबत को बड़ा बनाने जैसा है। उनके वहां पहुंचने के साथ ही कई तरह के मुद्दे खड़े हो जाएंगे।

पिछले 20 वर्षों में महिलाओं की प्रगति को नजरअंदाज नहीं कर सकता तालिबान

काबुल (एजेंसी)।

सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों में काम कर रही अफगान महिलाओं ने काबुल में भविष्य के बारे में चिंता व्यक्त करने और भविष्य की किसी भी सरकार में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कैसे किया जाएगा, इस पर एक बैठक की। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब तालिबान ने कहा है कि उसने नई सरकार के गठन पर चर्चा शुरू कर दी है। मानवाधिकार कार्यकर्ता फरिहा एसर ने कहा, लोग, सरकार और कोई भी अधिकारी जिसे भविष्य में एक राष्ट्र बनाना है, अफगानिस्तान की महिलाओं की उपेक्षा नहीं कर सकता। हम शिक्षा के अपने अधिकार, काम करने के अधिकार और राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेंगे। महिला अधिकार कार्यकर्ता रहीमा रादमनेश ने कहा, अफगान महिलाओं ने संघर्ष किया है और इन अधिकारों और इन मूल्यों को हासिल किया है। विरोध करने वालों का कहना है कि तालिबान पिछले 20 वर्षों में महिलाओं की प्रगति और उनके संघर्षों की अनदेखी नहीं कर सकता। मानवाधिकार कार्यकर्ता शुक्रिया मशाल ने कहा, हमने 20 साल तक कड़ी मेहनत की है और अब हम पीछे नहीं हटेंगे। एक मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा, हम एक थोपी गई सरकार नहीं चाहते हैं। यह अफगान नागरिकों की इच्छा पर आधारित होनी चाहिए। तालिबान ने हाल ही में कहा है कि वे इस्लामी कानून के ढांचे के भीतर महिलाओं को अधिकार देंगे और महिलाएं समाज में उसी ढांचे के भीतर काम कर सकती हैं, लेकिन उसने इस इस्लामी ढांचे की परिभाषा व्यक्त नहीं की है।

तालिबान के कब्जे के बाद हजारों अफगान देश छोड़ रहे, पाकिस्तानी मानव तस्करों की चांदी

कराची। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद बड़ी संख्या में अफगान नागरिक देश से बाहर जाने के लिए प्रयासरत हैं। ऐसे में अफगानिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में सक्रिय पाकिस्तानी मानव तस्करों के कारोबार में खासी वृद्धि हुयी है। तालिबान के शासन से बचने के लिए हजारों अफगान देश से भाग रहे हैं और बेहतर जीवन की तलाश में अमेरिका और यूरोप सहित विभिन्न देशों में शरण मांग रहे हैं।

अफगानिस्तान से लगती चमन-स्पिन बोल्डक सीमा के पास एक छोटे से कस्बे से 'काम कर रहे' हमीद गुल ने टेलीफोन पर कहा, ÷तालिबान के काबुल में प्रवेश करने से पहले से ही कारोबार फल-फूल रहा है। हमने पिछले हफ्ते से अब तक सीमा पार से करीब 1,000 लोगों की तस्करी की है।'' हालांकि गुल ने यह नहीं बताया कि वे अफगान लोगों को पाकिस्तान में लाने के लिए कितने पैसे लेते हैं। लेकिन गुल ने यह भी पुष्टि की कि उसके जैसे कई अन्य लोग सीमावर्ती शहरों से काम कर रहे हैं। गुल ने कहा, ये लोग इस बात से डर रहे हैं कि तालिबान शासन में क्या होगा ? वे किसी भी तरह से अफगानिस्तान से बाहर निकलना चाहते हैं और इसके लिए जो कुछ भी मांगा जाता है, वे लोग भुगतान करने को तैयार हैं।''

मानव तस्करी में शामिल गिरोहों से वाकिफ एक सूत्र ने कहा कि ऐसे लोग ज्यादातर अशांत बलूचिस्तान प्रांत के चमन, चाघी और बदानी जैसे सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय हैं। सूत्र ने कहा कि अधिकतर अनौपचारिक शरणार्थी पाकिस्तान में प्रवेश करने के बाद क्वेटा या अन्य पाकिस्तानी शहरों में चले जाते हैं। उनमें से कुछ लोगों के पहले से ही कराची या क्वेटा में काम करने वाले रिश्तेदार हैं जो उनका समर्थन करतेहैं। क्वेटा से एक साहित्यिक पत्रिका चलाने वाले डॉ शाह मुहम्मद मारी ने कहा कि तालिबान के सत्ता में आने से पहले से ही अफगान नागरिकों की तस्करी होती रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सिर्फ इस साल करीब 55,000 अफगान नागरिक बलूचिस्तान के रास्ते पाकिस्तान में आए हैं, जिनमें ज्यादातर बच्चे और महिलाएं हैं। वे लोग वहां युद्ध और टकराव से भागना चाहते हैं।

जापान ने रखा 2029 तक मंगल ग्रह से मिट्टी के नमूने लेकर वापस आने का लक्ष्य

तोयो। (एजेंसी)।

जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने मंगल ग्रह पर फिलहाल काम कर रहे अमेरिका और चीनी मिशन से पहले, मिट्टी के नमूने वहां से वापस लाने की योजना बनाई है। जापान मंगल ग्रह की उत्पत्ति और संभावित जीवन के निशान के सुराग खोजने की उम्मीद कर रहा है। जापान एरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी या जाक्सा ने 2024 में मंगल ग्रह के चंद्रमा 'फोबोस' से 10 ग्राम (0.35 औंस) मिट्टी इकट्ठा करने और इसे 2029 में पृथ्वी पर वापस लाने के लिए एक अन्वेषक यान भेजने की योजना बनाई है। परियोजना निदेशक यासुहीरो कवाकात्सु ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को कहा कि तेजी से वापसी का यह अभियान बाद में शुरू होने के बावजूद मंगल ग्रह के क्षेत्र से नमूने वापस लाने में अमेरिका और चीन से जापान को आगे रखेगा। नासा का ÷प्रिजर्वेंस÷ रोवर मंगल के क्रेटर पर काम कर रहा है, जहां 31 नमूने एकत्र करने हैं। एकत्र करने के बाद न नमूनों को 2031 की शुरुआत में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की मदद से पृथ्वी पर वापस लाया जाना है। चीन ने मई में मंगल ग्रह पर एक अंतरिक्ष यान उतारा और उसकी 2030 के आसपास नमूने वापस लाने की योजना है। कवाकात्सु ने कहा कि जाक्सा के वैज्ञानिकों का मानना है कि फोबोस पर सतह की मिट्टी का 0.1 प्रतिशत मंगल से आता है और 10 ग्राम में करीब 30 ग्रेन्यूल होता है जो मिट्टी की स्थिरता पर निर्भर करता है।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली हाईकोर्ट ने 13 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले में कोच को जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने 13 वर्षीय अपनी एक छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोपी एक बॉस्केटबॉल कोच को जमानत देने इनकार कर दिया है। कोर्ट ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि जीवन के प्रारंभिक चरण में भरोसेमंद रिश्ते से विश्वास उठ जाने से बच्चे को भविष्य में अंतर-वैयक्तिक संबंध विकसित करने में बाधा आ सकती है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि ''यौन हमला या यौन उत्पीड़न की हरकत सामाजिक विकास बाधित करने एवं कई तरह की मनोवैज्ञानिक समस्याएं पैदा कर सकती है। और उसके अलावा यह बच्चे में मानसिक अवसाद के अलावा भविष्य में उसकी चिंतन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।''

न्यायमूर्ति प्रसाद ने बुधवार को जारी अपने आदेश में कहा, '' बच्चे के कल्याण पर सर्वोच्चता के साथ विचार किया जाए, क्योंकि शुरूआती चरण में उसकी मानसिक वृति नाजुक होती है और उसपर जल्द असर पड़ता है। बालपन में यौन हमले के दीर्घकालिक प्रभाव बेहद गहरे होते हैं। इससे बच्चे का सामान्य सामाजिक विकास अवरूद्ध होता है और कई मनोवैज्ञानिक समस्या हो सकती है जिसके लिए मनोचिकित्सकीय उपचार की जरूरत हो सकती है।'' आरोपी की इस दलील पर कि पीड़िता ने सीधे-साधे व्यवहार का गलत मतलब निकाल लिया हो, अदालत ने कहा कि वह संभवतः जानबूझकर की गयी हरकत और असावधानीवश आचरण के बीच फर्क करना अच्छे तरह समझती है।

पीड़िता दिल्ली के एक पब्लिक स्कूल की नौवीं कक्षा की छात्रा है- अदालत ने कहा कि आरोप तय होने और पीड़िता से जिरह करने से पहले जमानत देने से बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम , 2012 के पीछे का मकसद निष्फल हो सकता है। उच्च न्यायालय ने जमानत अर्जी खारिज करते हुए निचली अदालत को एक महीने के अंदर आरोप तय करने की दिशा में बढ़ने एवं आरोप तय हो जाने की स्थिति में अगले महीने पीड़िता से जिरह करने का निर्देश दिया। पीड़िता दिल्ली के एक पब्लिक स्कूल की नौवीं कक्षा की छात्रा है।

पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा हत्याकांड की 47 साल बाद फिर से होगी जांच, दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा हत्याकांड मामले में उनके पोते के याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को पूरे मामले का नए सिरे से जांच का आदेश दिया है। बता दें की 2 जनवरी 1974 समस्तीपुर रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 2 पर भारत सरकार के पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा पर उस वक्त बम से हमला किया गया था, जब वह भरी रेलवे लाइन का उद्घाटन करने के लिए पहुंचे थे। इस हमले में वह बुरी तरह जख्मी हो गए थे और उन्हें ट्रेन के माध्यम से पटना इलाज के लिए ले जाया गया था. जहां पर अगले दिन इलाज के दौरान 3 जनवरी 1974 को उनकी मौत हो गई थी. उसके बाद पूरे राजनीतिक महकमे में हड़कंप मच गया था.

पूर्व केंद्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्रा के पोते वैभव मिश्रा की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने सीबीआई को ललित नारायण मिश्रा हत्याकांड की जांच नए सिरे से करने का दिया निर्देश. सुनवाई दिल्ली हाई कोर्ट के डिवीजन बेंच में हुई. ललित नारायण मिश्रा के पोते वैभव मिश्रा ने हाई कोर्ट का आर्डर आने पर कहा है कि इस मामले में असली हत्यारों का नाम सामने आएगा और हत्याकांड की सच्चाई सामने आएगी.

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में इस बार शिक्षकों के वेतन में देरी भी बना हुआ है बड़ा मुद्दा

नई दिल्ली । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के चुनाव में गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल (जीएसपीएस) में शिक्षकों के वेतन में देरी भी बड़ा मुद्दा है। विपक्षी दल जहां इस मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए हमलावर है, वहीं, सत्तारूढ़ दल इसके पीछे आर्थिक दिक्कतों को वजह बता रहा है। चूंकि ये स्कूल सिख परंपरा को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं और इनसे मतदाताओं का भावनात्मक लगाव भी है, ऐसे में यह मुद्दा बड़े स्तर पर मतदाताओं को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। डीएसजीएमसी द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में कई स्कूल, कालेज व इंजीनियरिंग कालेज संचालित किए जाते हैं। गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल की श्रृंखला का उसमें अहम स्थान है। कमेटी द्वारा इस श्रृंखला के 12 स्कूल संचालित होते हैं, जो दिल्ली के बच्चों को शिक्षित करने में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। इनके नाम तमाम उपलब्धियां हैं। इनमें हजारों छात्र पढ़ते हैं तो सैकड़ों की संख्या में टीचर और अन्य स्टाफ कार्यरत हैं। इन्हें कोरोना काल से पहले से ही वेतन मिलने में दिक्कत हो रही है। इसके साथ ही डीएसजीएमसी चुनाव में इन स्कूलों में टीचरों की कमी और इनमें छठें वेतन आयोग की सिफारिशों का पूरी तरह से न लागू होना भी मुद्दा बन रहा है। वेतन की मांग को लेकर कोरोना काल से पहले भी कई बार शिक्षकों ने आंदोलन किया, धरना-प्रदर्शन किए। मामला अदालत के दरवाजे तक भी गया। अदालत ने डीएसजीएमसी को तत्काल वेतन भुगतान के आदेश दिए, लेकिन अब भी इस समस्या का हल नहीं निकल सका है।

कोरोना काल में तकरीबन डेढ़ वर्ष से यह संकट और बढ़ गया है। परमजीत सिंह सरना की अध्यक्षता वाला शिरोमणि अकाली दल दिल्ली (सरना) इसके लिए सीधे सत्तापक्ष के भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराता है। उसके मुताबिक न सिर्फ बड़े पैमाने पर स्कूल मद की राशि में हेरफेर हुआ है, बल्कि बिना जरूरत और योग्यता के चहेते लोगों की भर्ती भी हुई है। इसके चलते कभी दिल्ली की शिक्षा में स्वर्णिम कीर्तिमान बनाने वाले ये स्कूल आजकल गलत खबरों की वजह से चर्चा में हैं। वहीं, डीएसजीएमसी अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा के गुट का कहना है कि कोरोना के चलते वेतन भुगतान में देरी हुई है, क्योंकि छात्रों की फीस पूरी नहीं आ रही है।

दिल्ली में चलती कार में महिला से रेप, पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में एक चलती कार में दो लोगों ने एक महिला से कथित तौर पर रेप किया है। आज यानी गुरुवार को दिल्ली पुलिस इस मामले में जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता को आरोपी नौकरी देने के नाम पर शहर लेकर आए थे। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर के रहने वाले हैं। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने 16 अगस्त को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता का बयान दर्ज कर चिकित्सकीय जांच कराई गई. वहीं, उससे बातचीत की गई और परामर्श दिया गया.

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला- पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत और उसकी चिकित्सकीय जांच रिपोर्ट के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376-डी (सामूहिक दुष्कर्म) और 506 (आपराधिक धौंस-धमकी) का मामला दर्ज कर लिया गया. वहीं, दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. इससे पहले दिल्ली के कैंट इलाके में नाबालिग दलित बच्ची के साथ रेप और हत्या की घटना हुई थी. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है. सूत्रों की मानें तो चारों आरोपियों के खिलाफ जल्द ही दिल्ली पुलिस चार्जशीट दाखिल करेगी. वहीं, चारों आरोपियों में से किसी को भी क्राइम ब्रांच की SIT ने क्लीनचिट नहीं दी है. जांच टीम के पास बिना पॉलीग्राफ टेस्ट के चारों को चार्जशीट करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं. मुख्य आरोपियों ने एसआईटी टीम को गुमराह करने का प्रयास किया था. जांच में यह भी सामने आया कि पुजारी अश्लील फिल्में देखता था और मृतक लड़की से मालिश करवाता था.

केंद्र के प्रतिबंध के बाद केजरीवाल सरकार प्लास्टिक के खिलाफ चलाएगी ड्राइव, तैयार किया ये एक्शन प्लान

नई दिल्ली। दिल्ली में सगिंल यूज प्लास्टिक के प्रयोग के खिलाफ अभी तक सविकि एजेंसियां अभियान चलाती रही हैं। लेकिन अब दिल्ली सरकार ने भी इसको लेकर बड़ा अभियान चलाने का फैसला किया है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ओर से एक एक्शन प्लान भी तैयार किया गया है। सरकार इसको लेकर स्पेशल टास्क फोर्स भी गठित करेगी जोकि उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए शिकंजा कसेगी।

इस बीच देखा जाए तो केंद्र सरकार ने 1 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही 1 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादों जैसे प्लेट, स्ट्रा और ट्रे जैसे वस्तुओं पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रतिबंध लगने के बाद अब ना तो इन उत्पादों की बिक्री की जा सकेगी और ना ही इसका उपयोग किया जा सकेगा। इस संबंध में सप्ताहभर पहले शुक्रवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से अधिसूचना भी जारी कर की गई। इस अधिसूचना में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के अलावा मोटी प्लास्टिक के पॉलीथिन बैग की मोटाई 50 माइक्रोन से बढ़ाकर 120 माइक्रोन तक कर दी है। अधिसूचना के अनुसार प्लास्टिक बैग की मोटाई 30 सितंबर, 2021 से 50 माइक्रॉन से बढ़ाकर 75 माइक्रॉन की जाएगी और 31 दिसंबर, 2022 से यह मोटाई 120 माइक्रॉन होगी. हालांकि कंपोस्टेबल प्लास्टिक बैग पर मोटाई की कोई सीमा तय नहीं की गई है. लेकिन इसकी बिक्री करने से पहले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एक सर्टिफिकेट लेना होगा.

सिंगल यूज प्लास्टिक के कारण हो रहे पर्यावरणीय नुकसान की वजह से केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया है. केंद्र सरकार के इस फैसले से सभी तरह के सिंगल प्लास्टिक यूज के उत्पादों पर रोक लग जाएगी. इसमें कप, ग्लास, कांटे, चम्मच, थर्मोकॉल समेत प्लास्टिक स्टिक समेत कई उत्पाद शामिल हैं. सिंगल यूज प्लास्टिक को तीन चरणों में बैन किया जाएगा. पहले चरण की शुरुआत 30 सितंबर, दूसरे की जनवरी, 2022 और तीसरे चरण की शुरुआत जुलाई, 2022 से होगी.

इक्केंद्र सरकार की ओर से जारी की गई अधिसूचना के बाद अब दिल्ली सरकार ने भी इसको लेकर पूरी तरह से कमर कस ली है. दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ओर से सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बड़ा अभियान चलाने के लिए पूरा एक्शन प्लान तैयार कर लिया गया है. इस एक्शन प्लान के तहत ही एनफोर्समेंट ड्राइव चलाया जाएगा.

डीपीसीसी के अधिकारियों के मुताबिक जो एक्शन प्लान तैयार किया गया है, उसके तहत धार्मिक और सामाजिक समारोह पर पूरी नजर रखी जाएगी. यहां लोगों के एकत्र होने पर प्लास्टिक का उपयोग ज्यादा किया जाता है. उस पर समिति पैनी नजर रखेगी. समिति ने इसके लिए राज्य स्तरीय स्पेशल टास्क फोर्स और जिला स्तरीय टास्क फोर्स भी गठित करने का निर्णय लिया है.

समिति की ओर से राजधानी दिल्ली के तमाम जगहों से हर रोज का आंकड़ा भी मंगाया जाएगा कि शहर में कुल कितना प्लास्टिक कचरे का उत्पादन हो रहा है. इस तरह से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग की सटीक जानकारी मिल सकेगी. वहीं इसके बाद सिंगल यूज प्लास्टिक यूनिट्स को बंद कराने में बड़ी आसानी हो सकेगी. समिति की ओर से जो एक्शन प्लान सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिए तैयार किया गया है, उसमें प्लास्टिक रीसाइक्लिंग व्यवस्था भी तैयार की जाएगी. इन सभी जगह पर अन्य प्रकार के आइटम की बिक्री को भी प्रोत्साहित किया जाएगा. पैकेजिंग के लिए किस वस्तु द्वारा प्लास्टिक का स्थान लिया जा सकता है. इस पर भी अभी मंथन, विचार और रिसर्च की जा रही है. दिलचस्प बात यह है कि डीपीसीसी ने इस अभियान में एनसीसी और एनएसएस के कैडेट्स को भी जोड़ने का प्लान बनाया है. समिति एनसीसी और एनएसएस के प्रतिभागी युवाओं को भी इसमें शामिल करेगी.समिति धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए एकत्र होने वाले कार्यक्रम पर ज्यादा नजर रखेगी, जहां पर सिंगल यूज प्लास्टिक के ज्यादा प्रयोग होने की संभावना होती है, इसको वहां रोका जा सकेगा. इसके अतिरिक्त डीपीसीसी हर तीसरे माह सर्वे व करेगी जिससे कि इसके प्रयोग पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लग सकेगा. केंद्र सरकार की अधिसूचना जारी होने के बाद डीपीसी ने औद्योगिक इंडस्ट्रियल यूनिट्स को भी कारण बताओ नोटिस भेजना शुरू कर दिया है जो कि नियमों का पालन नहीं कर रही हैं। इस तरह के नोटिस वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 21 /22 के तहत जारी किए गए हैं. नियमों का पालन नहीं करने पर डीपीसीसी ने पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र की 203 यूनिट्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं. साथ ही नोटिस जारी करते हुए यह भी इन यूनिट से पूछा है कि क्यों न यूनिट को क्यों न बंद कर दिया जाए, बताया जाता है कि यह इंडस्ट्रियल यूनिट्स पर्यावरण नियामक प्राधिकरण से उचित अनुमोदन के बिना काम कर रही हैं. वहीं, डीपीसीसी की ओर से निर्धारित एक ही श्रेणी के तहत काम करने के लिए मंजूरी नहीं होने पर भी 70 यूनिट्स को नोटिस जारी किया गया. इसी तरह से ग्रीन कैटेगरी के तहत भी 19 यूनिट को अनुमति नहीं होने पर नोटिस जारी किया गया है.

बताते चलें कि पिछले दिनों पर्यावरण मंत्रालय ने कहा था कि 2019-2020 में 34 लाख टन से अधिक प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ जो 2017-18 की तुलना में 10 लाख टन से अधिक है. साथ ही उन्होंने कहा था कि सरकार सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए अलग अलग रणनीति अपना रही है. केंद्र और राज्य सरकारें पहले से ही सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को लेकर जागरुकता कार्यक्रम चला रहे हैं.

कांग्रेस नेता अलका लांबा ने नई दिल्ली के वीर भूमि में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 77वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

गैंगस्टर सतेंद्र उर्फ सत्ते गिरफ्तार, तिहाड़ जेल डिप्टी सुपरिटेंडेंट की हत्या की रच रहा था साजिश

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में हुई कैदी अंकित गुर्जर की मौत का बदला लेने के लिए डिप्टी सुपरिटेंडेंट की हत्या की साजिश रची जा रही थी. इस मामले में पलवल के एक गैंगस्टर के साथ अंकित के गुर्गे की बात का ऑडियो वायरल हुआ था. इस ऑडियो के वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुख्यात गैंगस्टर सतेंद्र उर्फ सत्ते को गिरफ्तार किया है.

गिरफ्तार किया गया सतेंद्र उर्फ सत्ते एक शार्प शूटर के साथ ही रोहित चौधरी गैंग का सक्रिय सदस्य भी है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को इसके बारे में सबसे पहले जानकारी एक ऑडियो इंटरसेप्ट के जरिए हासिल हुई थी, जहां पर ये एके-47 खरीदने की कोशिश में था.

बता दें कि सतेंद्र उर्फ सत्ते तिहाड़ जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट को मारने की साजिश रच रहा था. जिसका एक ऑडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें सत्ते एक अन्य शख्स से,य 47 की डिमांड कर रहा था. ऑडियो वायरल होते ही इस मामले में दिल्ली पुलिस सतर्क हो गई. पुलिस ने इसकी पड़ताल शुरू कर दी और इसके बाद वह हत्या की साजिश रचाने वाले तक पहुंच गई.

दरअसल, सत्ते अंकित गुर्जर की तिहाड़ जेल में हुई हत्या का बदला लेना चाहता था. इसी के चलते उसने यह प्लानिंग रची. बता दें कि जिस डिप्टी सुपरिटेंडेंट पर गैंगस्टर अंकित गुर्जर की हत्या का आरोप लगा है उसके खिलाफ हरि नगर पुलिस स्टेशन में मुकदमा भी दर्ज किया गया है.

स्पेशल सेल ने जिस सतेंद्र उर्फ सत्ते को गिरफ्तार किया है वह फिलहाल जेल से पेरोल पर बाहर आया था. जिस पर 20 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं. इसके पास से एक पिस्टल और 6 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं.

हत्या के बाद दहशत फैलाने चाहिए थी एके-47- ऑडियो में कहा जा रहा था कि हत्या के बाद शूटरों को विदेश भेजेंगे. इसके लिए पैसों की जरूरत पड़ेगी. बदमाश दहशत फैलाने के लिए एके-47 से हत्या करना चाहते हैं.

गुरुग्राम में 31 किलो गांजा की सप्लाई करने जा रहा था तस्कर, पुलिस ने जाल बिछा दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली में मादक पदार्थ की तस्करी पर लगाम कसने को दिल्ली पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है. दिल्ली पुलिस के द्वारका जिला की एंटी नारकोटिक सेल ने कल एक अफ्रीकी मूल के निवासी से 101 ग्राम उम्दा क्वालटी की हेरोइन बरामद की थी जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ आंकी गई. वहीं, आज साउथ-वेस्ट दिल्ली के स्पेशल स्टाफ ने ड्रग तस्करी के मामले छापेमारी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. जिसके पास से 31.480 किलोग्राम गांजा बरामद किया है. आरोपी की उस कार को भी पुलिस ने बरामद किया है जिसके जरिये वह तस्करी का गोरखधंधा करता था. उसकी पहचान गौरव के रूप में हुई है, जोकि उत्तर प्रदेश के एटा का रहने वाला है.

साउथ-वेस्ट दिल्ली के डीसीपी इंगित प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में ड्रग तस्करी के उभरते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए एसीपी ने एक टीम का गठन किया. इस कांस्टेबल संदीप को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपनी स्विफ्ट डिजायर कार में अरुणा आसफ अली रोड से होकर गुरुग्राम में अपने एक ग्राहक को गांजा की सप्लाई करेगा. सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने अरुणा आसफ अली रोड पर जाल बिछाया. कुछ समय बाद टीम ने कथित आरोपी को रोक उसे गिरफ्तार कर लिया. आरोपी की पहचान गौरव के रूप में हुई है. पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली जिसमें 31.480 किलो ग्राम गांजा से भरे दो बैग मिले, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि वह पिछले दो-तीन सालों से गांजे की अवैध तस्करी कर रहा है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के धारा के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है.

दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की हवा के साथ बारिश, उमस वाली गर्मी से राहत

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली है. शुक्रवार को सुबह से ही दिल्ली के कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई है. इससे मौसम सुहाना हो गया है. साथ ही साथ ही ठंडी हवाएं चल रही हैं. दिल्ली के इंडिया गेट और फ़िरोज़ शाह रोड सहित कई इलाकों में बारिश हुई है. वहीं, बारिश के दौरान सड़कों पर बच्चे मस्ती करते भी नजर आए. दरअसल, दिल्ली में करीब 10 से 12 दिन के बाद बारिश हुई है. इससे लोगों के चेहरे पर खुशियां देखी जा सकती है.

बता दें कि दिल्ली में पिछले कई दिनों से बारिश नहीं हो रही थी. इससे उमसभरी गर्मी बढ़ गई थी. सुबह के 10 बजते ही आसमान में चिलचिलाती हुई धूप खिल जाती थी. ऐसे में लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था. कुछ ही कदम चलने पर लोग पसीने से तरबतर हो जा रहे थे. ऐसे में हल्की

बारिश से लोगों ने राहत की सांस ली है.

बता दें कि इससे पहले मंगलवार को दिल्ली में पारा कुछ डिग्री चढ़ गया और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था. भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, सुबह सापेक्षिक आर्द्रता 82 प्रतिशत दर्ज की गई. मौसम विभाग ने 18 अगस्त से बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है.

सोमवार को न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस रहा था. आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहा. सोमवार शाम को मौसम विज्ञानी ने मंगलवार को एक और गर्म दिन रहने का अनुमान जताया था और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की बात कही थी.

दरअसल, दिल्ली में 8 अगस्त के बाद से बारिश नहीं हुई थी. इसके चलते गर्मी और उमस से लोग परेशान थे. बारिश न होने से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही थी. सोमवार को अधिकतम तापमा 37.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था. सबसे अधिक अधिकतम तापमान स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 39.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 31.1 डिग्री दर्ज हुआ था, जबकि नजफगढ़ में 38.8, पीतमपुरा में 38.7 और लोधी रोड में 38 डिग्री दर्ज हुआ था.

सगे भाइयों पर जानलेवा हमला करने के मामले में चार दोषी करार

नई दिल्ली । छह साल पहले खजूरी खास इलाके में दो सगे भाईयों पर जानलेवा हमला करने के मामले में बुधवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव के कोर्ट ने चार आरोपियों को दोषी करार दिया है। इनकी सजा पर बहस 24 अगस्त को होगी। खजूरी खास की गली नंबर-20 में बच्चों के बीच हुए झगड़े में 21 अगस्त 2015 को दो पड़ोसी आपस में भिड़ गए थे। इस झगड़े में फर्नीचर बनाने का काम करने वाले तौसीफ उर्फ तोसीन और उनके भाई सुहैल पर छुरी से हमला किया गया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इस मामले में पीड़ित तौसीफ की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित सगीर अहमद उर्फ कल्लू, इलियास, शकील उर्फ जाज और आशिफ उर्फ राजा को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सगीर अहमद के घर से वारदात में इस्तेमाल छुरी बरामद की थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान आरोपित इलियास, आशिफ और शकील ने खुद को बचाने के लिए आरोप लगाया कि उनको इस मामले में गलत फंसाया गया है।

कोर्ट को बताया कि वह वारदात के वक्त मौजूद नहीं थे, मुहम्मद इशहाक के जनाजे में गए थे। अभियोजन पक्ष ने गवाहों को पेश करने के साथ साक्ष्य प्रस्तुत किए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव के कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने चारों आरोपियों को भादंसं की धारा 307 (हत्या के प्रयास करने), 452 (बिना अनुमति घर में घुस का चोट पहुंचाने) और 34 (सामान्य इरादे से आपराधिक वारदात करना) के तहत दोषी ठहराया है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि घायलों समेत चारों गवाहों ने आरोपियों की पहचान करने के साथ वारदात में उनकी भूमिका को स्पष्ट किया था। जो आरोपियों की मौजूदगी के बारे में बताता है।

हजारों मेट्रो यात्री रोजाना हो रहे लेट, राहत के लिए पढ़िये डीएमआरसी का सुझाव

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो का परिचालन भले ही 100 फीसद सिटिंग कैपिसिटी के साथ किया जा रहा हो, बावजूद इसके लाखों यात्रियों को रोजाना लेटलतीफी का सामना करना पड़ रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम द्वारा सभी गेटों को नहीं खोला जाना, जिससे यात्रियों को 30 मिनट से लेकर कभी-कभार 1 घंटे तक गेट के बाहर ही इंतजार करना पड़ता है। यह स्थिति रोजाना की है, खासकर पीक आवर में यात्रियों की परेशानी बढ़ जाती है।

पिछले कई दिनों से दिल्ली के राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर पीक आवर में लोगों को 40 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है, तब जाकर मेट्रो स्टेशन पर एंट्री मिलती है। ऐसे में अगर आपको दफ्तर या अन्य काम से जाना है तो मेट्रो यात्रा के लिए 40 मिनट पहले घर से निकलना पड़ेगा।

घर से एक्स्ट्रा समय लेकर निकलने का निर्देश- दिल्ली मेट्रो रेल निगम बीच-बीच में लोगों से यह अपील करता रहा है कि जब भी यात्रा के लिए निकलें तो एक्स्ट्रा समय लेकर निकलें। दिल्ली मेट्रो के मुताबिक, ऐसा इसलिए करना जरूरी है क्योंकि कोरोना वायरस संक्रमण की सख्त गाइडलाइन का पालन करने की वजह से उन्हें देरी नहीं हो। इसके अलावा एहतियातन कुछ एंट्री गेट बंद भी किए गए हैं। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर मेट्रो स्टेशनों के गेटों को कुछ देर के लिए बंद तक किया जा रहा है। पिछले दिनों डीएमआर की ओर से अनुरोध किया गया था कि मेट्रो के भीतर खड़े रहने की अनुमति नहीं होने की वजह से यात्रियों द्वारा मेट्रो के लगभग 80 फीसद स्थान का उपयोग नहीं किया जा सकता। ऐसे में स्टेशन तक पहुंचने में यात्रियों को अतिरिक्त समय लग सकता है। कृपया अपनी यात्रा में अतिरिक्त समय लेके चलें

यह भी जानें- यात्रियों को कोच के अंदर शारीरिक दूरी के नियम का पालन करने के साथ ही मास्क लगाना भी अनिवार्य है। इसके साथ डीएमआरसी ने सभी यात्रियों और पर्यटकों से अपील की है कि वो दिल्ली मेट्रो में यात्रा के दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल का ख्याल रखें, जिससे इस बीमारी के फैलाव पर लगाम लगाई जा सके।

गौरतलब है कि दिल्ली मेट्रो में 100 फीसद बैठने की क्षमता की अनुमति देने के दिल्ली सरकार के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि मेट्रो का इस्तेमाल करना अनिवार्य नहीं है, आप चाहें तो यात्रा न करें। याचिकाकर्ता व अधिवक्ता एसबी त्रिपाठी द्वारा रेस्तरां व सिनेमाहाल में 50 फीसद की व्यवस्था देने की दलील पर पीठ ने पूछा कि क्या सिनेमाहाल और मेट्रो का वातावरण एक जैसा है पीठ ने कहा अब स्कूल खुल रहे हैं।

5 लाख का इनामी गिरफ्तार, दो पत्नियों की डिमांड पूरी करने के लिए बना चोर

गुरुग्राम । हरियाणा की गुरुग्राम पुलिस ने बैंक खातों के जरिये धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है. उस पर आरोप है कि वह दो पत्नियों की गिफ्ट की ख्वाहिश पूरी करने के लिए लोगों से धोखाधड़ी कर उनके बैंक खाते को खाली कर देता था. गुरुग्राम की साइबर क्राइम ब्रांच पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. परवीन मित्तल नाम का आरोपी सरकारी बैंक के लोन डिपार्टमेंट में कार्य करता था. वहीं से वह लोगों का डेटा चुराकर उनके बैंक खाते में अपना मोबाइल नंबर अपडेट करा लेता था. इसके बाद वह इंटरनेट बैंकिंग के जरिए बैंक खाते में सेंध लगाता था. पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उस पर 5 लाख का इनाम भी घोषित किया था. फिलहाल आरोपी पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान सोनीपत निवासी प्रवीण मित्तल के रूप में हुई. आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि 9 जून 2019 को उसने गांव मोहम्मदपुर झाड़सा निवासी लीला राम के खाते में 1.37 करोड़ रुपए की सेंध लगाई थी. लीला राम ने सेक्टर 37 थाना पुलिस को बताया था कि वह किसान है. सरकार ने उसकी जमीन अधिग्रहण कर उसे करीब 1.65 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया था. उसके बैंक खाते में किसी ने सेंध लगाकर करीब 1.37 करोड़ रुपए निकाल लिए थे. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी. मामले में पुलिस ने आरोपी पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था. इसके साथ ही जांच के लिए SIT गठित कर दी थी. गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी को नूह से गिरफ्तार किया है. प्रारंभिक पूछताछ में पता लगा कि आरोपी ब कॉम तक पढ़ा हुआ है. वह सरकारी बैंक में लोन दिलाने का काम करता है. आरोपी ने 2 शादियां की हैं. पहली पत्नी से अरेंज मैरिज जिससे इसको 1 लड़का, 1 लड़की है. दूसरी लव मैरिज की है, उससे 2 लड़कियां हैं. आरोपी ने पुलिस पूछताछ में यह भी बताया कि ये बैंक में कार्य करता है. इसी दौरान यह लोगों के बैंक खातों की जानकारी चोरी कर लेते हैं. उसके बाद ये बैंक खातों में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर की जगह बैंक में रिक्वेस्ट देकर अपने मोबाइल नंबर अपडेट करा लेता है. उसके बाद नेट बैंकिंग से यह उस बैंक खाते से ज्वैलरी व अन्य कीमती सामान खरीद लेता था. आरोपी ने पलवल में 1, सांपला में 1, बल्लभगढ़ में 1 व गुरुग्राम में 3 वारदातें सहित कुल 6 वारदातों को अंजाम देने का खुलासा किया है.

संपादकीय

चीन-तालिबान की खतरनाक यारी

मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के नेतृत्व में तालिबानी प्रतिनिधिमंडल से चीन के विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात चिंतित करने वाली है। तालिबानी नेताओं को दिए गए इस सम्मान के कई निहितार्थ हैं। इससे यह तो साफ हो गया है कि अमेरिका की वापसी के बाद चीन अफगानिस्तान में अपनी दखल बढ़ाने को लेकर गंभीर है। इससे उसके कई स्वार्थ पूरे होंगे। जैसे, अफगानिस्तान में मौजूद तांबा, कोयला, गैस, तेल आदि के अप्रयुक्त भंडारों तक वह अपनी पहुंच बना सकेगा। कुछ तेल क्षेत्रों के अलावा तांबे की एक बड़ी खदान वह पहले ही हासिल कर चुका है। फिर, जिन उइगर अलगाववादियों को वह अपना दुश्मन मानता है, उनके संगठन 'पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट' (ईटीआईएम) पर भी वह नकेल कस सकेगा। ईटीआईएम का चीन के शिनजियांग प्रांत में खासा असर है। दिक्कत यह है कि चीन का यह स्वार्थ बाकी दुनिया पर भारी पड़ सकता है। इस गठजोड़ का असर कई रूपों में विश्व व्यवस्था पर दिख सकता है।

चीन-तालिबान दोस्ती क्यों खतरनाक है, इसे जानने से पहले हमें चीन की फितरत समझनी होगी। चीन एको अहं, द्वितीयो नास्ति यानी सिर्फ मैं ही मैं सर्वत्र, दूसरा कोई नहीं की नीति पर चलता है। अपने मकसद को पूरा करना उसकी प्राथमिकता है। अगर कहीं भी उसे अपना हित सधता हुआ दिखे, तो वह न कोई कायदा-कानून मानता है, और ही न कोई व्यवस्था। 1980 के दशक से ऐसा ही होता आया है। मिसाल के तौर पर, पाकिस्तान आज बेशक अपने परमाणु एवं मिसाइल कार्यक्रम या सैटेलाइट तकनीक पर इतराए, लेकिन यह जगजाहिर है कि ये सारी सुविधाएं उसे चीन ने ही मुहैया कराई हैं, जबकि ऐसा करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है और विश्व बिरादरी इसे गंभीर अपराध मानती है। फिर भी, चीन की सेहत पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। उसने खुद तकनीक एवं प्रौद्योगिकी पश्चिमी देशों से चुराई और आज उन्हीं को आंखें दिखा रहा है।

दक्षिण चीन सागर पर तो वह पूरी दुनिया से लड़ने-भिड़ने को तैयार है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश जैसे कई देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसाकर उन पर परोक्ष रूप से दबाव बना चुका है। इन्हीं उदाहरणों की अगली कड़ी है, प्रतिबंधित गुट तालिबान के साथ उसकी नजदीकी। चीन इसको अपने लिए फायदे का सौदा मान रहा होगा, मगर इसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ सकती है। तालिबान का चरित्र किसी से छिपा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र इसे एक प्रतिबंधित समूह मानता है। तालिबानी प्रवक्ता ने भले ही अफगानिस्तान के विकास-कार्यों के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने की बात कही है, लेकिन अभी जिन इलाकों पर इसका कब्जा है, वहां विकास का पहिया फिर से रोक दिया गया है। स्कूलों को बंद कर दिया गया है और मानवाधिकारों का जमकर हनन हो रहा है। वहां विरोध करने वाली आवाजें खामोश की जा रही हैं। हकीकत बयान करने वाले पत्रकारों तक तो नहीं बख्शा जा रहा। खबर यह भी है कि पिछले दिनों जिस भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की हिंसक संघर्ष में फंसने की वजह से मौत की बात कही जा रही थी, तालिबान ने उनकी पहचान करने के बाद बड़ी 'क्रूरता से हत्या' कर दी थी। ऐसे बर्बर गुट को चीन यूं ही शह नहीं दे रहा। साल 2013 में शी जिनपिंग के राष्ट्रपति बनने के बाद से चीन का रवैया खासा आक्रामक हो गया है। घरेलू स्तर पर 'एक देश, दो व्यवस्था' नीति को खारिज करते हुए उसने 'वन चाइना पॉलिसी' अपनाई और हांगकांग की स्वायत्तता खत्म कर दी, तो ताइवान को वह लगातार आंखें दिखा रहा है। 'बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव' से वह करीब 70 देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में निवेश की राह पर है। उसकी मंशा पूरे एशिया क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाने और अमेरिका की बराबरी करते हुए वैश्विक नेता बनने की है। चूंकि सैन्य ताकत और औद्योगिक उत्पादन के मामले में वह खासा असरदार है, इसलिए वह पूरी विश्व व्यवस्था को आंखें दिखाता रहता है। लेकिन इसी गुमान में वह कई देशों से विवाद भी मोल ले चुका है। चीन जानता है कि अफगानिस्तान में यदि वह प्रभाव जमा सका, तो उसे आर्थिक फायदा हो सकता है, जिससे 'सुपर पावर' बनने की उसकी राह आसान होगी, इसीलिए वह तालिबान को शह दे रहा है।

चीन और तालिबान के बीच बढ़ती नजदीकी किस करवट बैठेगी, यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन यह हमारे लिए खतरा पैदा कर सकती है। चूंकि पाकिस्तान पहले से तालिबानी लड़ाकों का मददगार है, ऐसे में यदि चीन का साथ भी उनको मिल गया, तो ये लड़ाके और बर्बर हो सकते हैं। अभी तक तो अफगानिस्तान के महत्वपूर्ण इलाकों पर अफगान सुरक्षा बलों का नियंत्रण है, लेकिन चीन की शह तालिबानी लड़ाकों को उन इलाकों पर भी कब्जा करने के लिए उत्साहित करेगी। इससे अफगानिस्तान में किए गए भारतीय निवेश प्रभावित हो सकते हैं। फिर, अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के आतंकी तालिबान की मदद करने के लिए अफगानिस्तान आ रहे हैं। दहशतगर्द समूहों का यह गठजोड़ अफगानिस्तान के पड़ोस के लिए ही नहीं, दुनिया के सभी अमनपसंद देशों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। ऐसे लड़ाकों को पाकिस्तान और चीन की दुरभिसंधि भारत के खिलाफ हमले के लिए उकसाएगी। यह गठजोड़ हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए काफी खतरनाक साबित होगा। इसे किस तरह रोका जाए? इसका फिलहाल कोई रास्ता नहीं दिख रहा। एक अंधेरी सुरंग है, जिसका दूसरा छोर सामने नहीं है। यदि कोई शक्तिशाली देश अंतरराष्ट्रीय नियमों की अवहेलना करे, तो उस पर बंदिश शायद ही कारगर होती है। कोई डर या खौफ उस देश को सही रास्ते पर नहीं ला सकता। चीन अब इतना मजबूत बन गया है कि उसे डराकर या धमकाकर कोई काम नहीं करवाया जा सकता। ऐसे में, बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। मगर कोरोना वायरस की उत्पत्ति की जांच में बीजिंग ने जो बेशर्मी दिखाई है, उससे नहीं लगता कि वह फिलहाल समझने को तैयार है। लिहाजा, जब तक उसे खुद चोट नहीं लगेगी, वह नहीं संभलेगा। वैश्विक ताकत बनने का नशा उस पर इतना हावी हो चुका है कि उसे सही और गलत का बोध नहीं। इसलिए हमें अपनी सुरक्षा के लिए लीक से हटकर सोचना होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

कमजोर धुरी पर टिकी विपक्षी एकता, एकजुटता के लिए सभी दलों का मजबूत होना जरूरी

चूंकि कांग्रेस में राहुल गांधी ही औपचारिक और अनौपचारिक नेता हैं इसलिए उन्होंने भाजपा के खिलाफ एकजुट रणनीति बनाने के लिए हाल में विपक्षी दलों को नाश्ते पर बुलाया। बसपा और आम आदमी पार्टी को छोड़कर 14 दल उपस्थित हुए। पहली बार तृणमूल कांग्रेस के नेता भी आए। यह कांग्रेस को उत्साहित कर रहा होगा, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि सदन के अंदर तृणमूल ही सबसे उग्र विपक्षी दल दिखने की कोशिश कर रहा है। यह भी देखें कि एकजुटता की कोशिश में विपक्ष जनता के मुद्दे को ही भूल गया। न महंगाई मुद्दा बना, न कोरोना। बस वह पेगासस छाया रहा, जो विपक्ष को जोड़ने और जनता को आकर्षित करने का काम नहीं कर सकता।

मई के पहले सप्ताह में बंगाल चुनाव के नतीजे आए, जिसमें ममता बनर्जी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की और उसके साथ ही पूरे देश खासकर उत्तर भारत में भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी मोर्चा तैयार करने की बहस छिड़ गई। विपक्ष मजबूत रहे, यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन रोचक बात यह है कि यह बहस राजनीतिक स्तर पर बाद में छिड़ी, इंटरनेट मीडिया पर पहले शुरू हो गई। बाद के दिनों में राजनीतिक स्तर पर भी हलचल दिखी। राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा और क्षेत्रीय राजनीतिक मजबूरी के बीच अक्सर फंसे दिखे शरद पवार ने दिल्ली में अपना प्रभुत्व दिखाने की कोशिश की और कांग्रेस को छोड़कर अन्य विपक्षी दलों और अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के साथ राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की। फिर ममता बनर्जी ने दिल्ली में अपनी धमक दिखाई, पर अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि इस कथित विपक्षी एका के लिए क्या दल वास्तव में तैयार हैं? वे दल कौन से हैं, जो इस मोर्चे का अंग हो सकते हैं? इस संभावित मोर्चे का स्वरूप क्या होगा? देश में अब तक अलग-अलग तरह के कई प्रयोग हो चुके हैं और किसी को कोई भ्रम नहीं है कि एकजुटता के लिए धुरी का मजबूत होना जरूरी है। फिलहाल क्षेत्रीय दलों की ओर से जिस तरह राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश हो रही है, उससे परिधि के मजबूत और धुरी के कमजोर होने का ही अहसास होता है।

विपक्षी एकजुटता की बात होते ही सबसे पहले 1977 ही उभरता है, जब आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ विपक्ष एकजुट नहीं, बल्कि एक हो गया था। उस वक्त अभूतपूर्व स्थिति बनी थी। देश में आपातकाल लागू हो गया था। मूल अधिकार खत्म कर दिए गए थे, लोकसभा का

कार्यकाल बढ़ा दिया गया था, विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, एक्टिविस्टों को जेल मे बंद कर दिया गया था। इन घटनाओं का प्रभाव राजनीति तक सीमित नहीं था। जनता के अंदर खौफ था। लिहाजा कुछ दल, जिनमें जनसंघ भी बड़ा घटक था, एक हो गए। इस विलय से दलों ने अपना स्वतंत्र अस्तित्व खो दिया और नाम पड़ा जनता पार्टी। इस विपक्षी एकजुटता को जनता का समर्थन भी मिला था, लेकिन दक्षिण भारत में इसका असर नहीं दिखा। आपात स्थिति में अभूतपूर्व विलय के बावजूद आंतरिक दबाव भारी पड़ा और दो साल के अंदर सरकार चरमरा गई। जाहिर है आज के दिन ऐसी एकजुटता और ऐसे किसी विकल्प पर विचार संभव ही नहीं है। जनता पार्टी के असफल प्रयोग के बाद वह चाहे वीपी सिंह की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार हो या फिर 1996-98 तक दो प्रधानमंत्रियों के साथ चली संयुक्त मोर्चा सरकार, उसने बार-बार साबित किया कि धुरी कमजोर हो तो बिखरना तय है। एक और बात जो हर किसी के ध्यान में है कि विपक्ष एक स्वर से आवाज उठा रहा हो तो राजनीति पर असर कुछ और होता है। अगर अंदर से ही आरोप उठने लगें तो सरकार के लिए स्थिति विकट हो जाती है। बोफोर्स का जो भूत अब तक कांग्रेस के सिर से नहीं उतर पाया है, वीपी सिंह सरकार उसी की उपज थे, लेकिन उनकी सरकार बाहर से समर्थन दे रही भाजपा के रहमोकरम पर टिकी थी। वीपी सिंह के बाद चंद्रशेखर सरकार कांग्रेस की मोहताज बनी और वह चार माह भी नहीं चल सकी।

इसके कुछ अंतराल के बाद कांग्रेस की मेहरबानी से बनी संयुक्त मोर्चा सरकार बार-बार ध्वस्त हुई। पहले देवगौड़ा की सरकार गई, फिर गुजराल सरकार। गुजराल सरकार महज इसलिए चली गई थी, क्योंकि जैन आयोग ने राजीव गांधी की हत्या के मामले में द्रमुक को कठघरे में खड़ा कर दिया, जो उस गठबंधन सरकार में शामिल था। यानी एक क्षेत्रीय दल पर आई आंच प्रधानमंत्री पर भारी पड़ी। वही कांग्रेस अब तमिलनाडु में द्रमुक की बगलगीर बनी हुई है।

इसमें शक नहीं कि अपनी राजनीतिक गति और रणनीति से चमक रही भाजपा के खिलाफ विपक्ष एकजुट होना चाहता है, लेकिन उसे इतिहास भी याद है और आज के दिन विचारधारा से लेकर रणनीति तक के स्तर पर आपसी टकराव की जानकारी भी। चुनाव पूर्व गठबंधन के साथ बनी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार और फिर मनमोहन सिंह की दो सरकारों की सफलता जरूर उन्हें उत्साहित कर रही होगी, लेकिन तब और अब में एक बड़ा अंतर केंद्रबिंदु का ही है। दोनों के कार्यकाल में मुख्य पार्टी तो मजबूत थी ही, खुद नेतृत्व को लेकर गठबंधन में आपत्ति नहीं थी। वे स्वीकार्य थे। आज यही सबसे बड़ा सवाल है, जिसे साथी दलों को सबसे पहले सुलझाना होगा। हाल में दिल्ली आईं ममता बनर्जी बार-बार दोहराती दिखीं कि सोनिया गांधी से उनके अच्छे रिश्ते हैं, लेकिन राहुल गांधी के सवाल पर वह चुप ही रहीं। कांग्रेस के एक प्रवक्ता का यह बयान अवश्य आया कि नेतृत्व का सवाल बाद में आना चाहिए। बताने की जरूरत नहीं कि यह एकजुटता के लिए जरूरी मूल सवाल को टालने के अलावा और कुछ नहीं है। काग्रेस के अंदर की समस्या अभी खत्म नहीं हुई है। औपचारिक नेतृत्व का बड़ा सवाल मुंह बाएं खड़ा है। चूंकि कांग्रेस में राहुल गांधी ही औपचारिक और अनौपचारिक नेता हैं इसलिए उन्होंने भाजपा के खिलाफ एकजुट रणनीति बनाने के लिए हाल में विपक्षी दलों को नाश्ते पर बुलाया। बसपा और आम आदमी पार्टी को छोड़कर 14 दल उपस्थित हुए। पहली बार तृणमूल कांग्रेस के नेता भी आए। यह कांग्रेस को उत्साहित कर रहा होगा, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि सदन के अंदर तृणमूल ही सबसे उग्र विपक्षी दल दिखने की कोशिश कर रहा है। यह भी देखें कि एकजुटता की कोशिश में विपक्ष जनता के मुद्दे को ही भूल गया। न महंगाई मुद्दा बना, न कोरोना। बस वह पेगासस छाया रहा, जो विपक्ष को जोड़ने और जनता को आकर्षित करने का काम नहीं कर सकता।

लोगों की रोजी-रोटी छीनने वाला हरगिज नहीं हो सकता अन्नदाता

कृषि कानूनों के विरोध में जब किसान संगठन अपने लोगों के साथ सड़कों पर उतरे थे, तब उन्हें अन्नदाता कहकर संबोधित किया गया था-न केवल समर्थकों की ओर से, बल्कि सरकार की ओर से भी, लेकिन बीते आठ महीनों में किसान संगठनों ने आम नागरिकों के समक्ष जैसी समस्याएं खड़ी की हैं, उसे देखते हुए उन्हें मुसीबतदाता ही कहा जा सकता है। किसान संगठन न केवल दिल्ली की सीमाओं को घेरकर बैठे हैं, बल्कि उनके धरना-प्रदर्शन दिल्ली की सीमाओं के अलावा भी जारी हैं। उनके कारण भी लोगों को समस्याओं से दो-चार होना पड़ रहा है। संकट केवल यह नहीं कि लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि यह भी है कि बहुत से लोगों की रोजी-रोटी के सामने भी संकट खड़ा हो गया है। दिल्ली से सटे बहादुरगढ़ के उद्योगों के सामने तो कहीं बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। हाल की एक खबर के अनुसार बहादुरगढ़ के उद्योगों का कुल टर्नओवर करीब 80,000 करोड़ रुपये का है। किसान आंदोलन की वजह से उन्हें अब तक करीब 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। बहादुरगढ़ के उद्यमियों की मानें तो दिल्ली को जोड़ने वाला टिकरी बार्डर बंद होने से इस क्षेत्र की फैक्ट्रियों के वाहनों को खेतों के कच्चे रास्ते से होकर दिल्ली जाना पड़ता है। इस रास्ते से एमसीडी को टोल देना पड़ता है और रास्ता देने के लिए खेतों के मालिकों को प्रति वाहन सौ-सौ रुपये भी। अब बारिश के कारण खेतों के रास्ते में पानी भर गया है और वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया है। बावजूद इसके किसान संगठन सड़क खाली करने को तैयार नहीं। बहादुरगढ़ चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अनुसार किसान संगठनों की रास्ताबंदी के कारण करीब सात लाख लोगों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान अलग से हो रहा है। इसके अलावा लोगों के लिए टिकरी बार्डर आना-जाना भी दूभर है।

यही कहानी सिंघु बार्डर पर भी है। दिल्ली-हरियाणा को जोड़ने वाली यहां की सड़क पर कब्जा होने की वजह से आसपास के लगभग 40 गांवों के लोग परेशान हैं, लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसी तरह उनकी भी नहीं सुनी जा रही, जो गाजीपुर बार्डर यानी यूपी गेट बाधित होने से आजिज आ चुके हैं। सड़कों को बाधित करना गुंडागर्दी के अलावा और कुछ नहीं, लेकिन क्षोभ और लज्जा की बात यह है कि न तो पुलिस के कान पर जूं रेंग रही है, न सरकार के और न ही उस सुप्रीम कोर्ट के, जिसने कहा था कि सार्वजनिक स्थलों पर अनिश्चितकाल के लिए कब्जा नहीं किया जा सकता।

तथाकथित अन्नदाता किस तरह लोगों के पेट पर लात मारने का काम अन्यत्र भी कर रहे हैं, इसका एक और उदाहरण है लुधियाना में अदाणी समूह की ओर से अपने लाजिस्टिक पार्क को बंद किया जाना। इस पार्क का उद्देश्य पंजाब के उद्योगों को आयात और निर्यात के लिए रेल और सड़क मार्ग से कार्गो सेवा उपलब्ध कराना था। इस साल जनवरी में कृषि कानूनों के विरोध में किसान संगठनों ने लाजिस्टिक पार्क के बाहर ट्रैक्टर ट्राली लगाकर रास्ता बंद कर दिया। यह काम इस दुष्प्रचार की आड़ में किया गया कि कृषि कानूनों से तो असल फायदा अदाणी और अंबानी को होगा। प्रदर्शनकारियों की घेराबंदी के कारण लाजिस्टिक पार्क का काम ठप हो गया। कंपनी की तरफ से पंजाब सरकार को कई बार धरना हटाने के लिए कहा गया, लेकिन प्रदर्शनकारियों को उकसाने और बरगलाने वाली सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। मजबूरी में अदाणी समूह ने हाईकोर्ट की शरण ली। हाईकोर्ट ने अमरिंदर सरकार को इस मामले का हल निकालने के आदेश दिए, लेकिन उसने कुछ नहीं किया। थक-हारकर अदाणी समूह ने अपने इस पार्क को बंद करने का फैसला लिया। आखिर कोई कंपनी कब तक खाली बैठे लोगों को वेतन देती? लाजिस्टिक पार्क बंद करने के फैसले से चार सौ से अधिक लोगों की नौकरी चली गई। इसे इस तरह समझें कि तथाकथित अन्नदाताओं के कारण सैकड़ों लोगों के पेट पर लात पड़ गई। जो दूसरों के पेट पर लात मारने का काम करे, वह कुछ भी हो सकता है, पर अन्नदाता हरगिज नहीं हो सकता। किसी को इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि किसान संगठनों और कुछ राजनीतिक दलों के बहकावे में आकर सड़कों पर बैठे लोग आम किसान हैं। ये किसान नहीं, छुटभैये नेता, फुरसती लोग या फिर आदतन आंदोलनबाज हैं, जिन्हें किसानों का नेता बताया जा रहा है, वे भी वास्तव में किसान नेता नहीं, बल्कि किसानों की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने और नेतागीरी का शौक पालने वाले लोग हैं।

शायद ही कोई किसान नेता ऐसा हो, जो सचमुच खेती-किसानी का काम करता हो। आखिर योगेंद्र यादव जैसे लोग किसान नेता कैसे हो सकते हैं? किसान नेता और उन्हें हवा दे रहे राजनीतिक दल कुछ भी दावा करें, यह निरा झूठ है कि आम किसान धरने पर बैठा हुआ है। आम किसानों के पास न तो इतना समय है कि वह अपना काम-धाम छोड़कर धरने पर बैठा रहे और न ही वह इतना निष्ठुर-निर्दयी हो सकता है कि जाने-अनजाने औरों की रोजी-रोटी छीनने का काम करे। चूंकि कई लोग और समूह राजनीतिक कारणों अथवा अन्य किसी स्वार्थवश कृषि कानून विरोधी आंदोलन को आर्थिक-मानसिक खुराक देने में लगे हुए हैं, इसलिए लगता नहीं कि उनका धरना-प्रदर्शन आसानी से समाप्त होगा। वह भले ही अनंतकाल तक जारी रहे, लेकिन उसे लोगों को परेशान करने, उनकी दिनचर्या बाधित करने और उनकी रोजी-रोटी छीनने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

कानून की क्वॉलिटी का सवाल

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन वी रमना ने कहा है कि संसद में बगैर गंभीर बहस के कानून बनाने की तेज होती प्रवृत्ति न केवल कानूनों की क्वॉलिटी को प्रभावित कर रही है बल्कि न्यायपालिका पर काम का बोझ भी बढ़ा रही है। आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश के मौके पर सुप्रीम कोर्ट बार असोसिएशन की ओर से आयोजित समारोह में दिया गया जस्टिस रमना का यह संबोधन इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि यह हमें याद दिलाता है कि संसदीय लोकतंत्र में शासन के कोई भी एक अंग अगर अपने कामकाज में लापरवाही बरतता है तो उसका प्रभाव शासन के अन्य अंगों पर और अंततः पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ता है।

जस्टिस रमना ने यह बात ऐसे समय कही, जब संसद का मॉनसून सत्र हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ कर समाप्त हुआ है। इस सत्र के दौरान करीब-करीब सारे विधेयक बिना बहस के पारित किए गए। हालांकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इस स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हैं, लेकिन इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए इनमें से कोई भी तैयार नहीं। हमेशा की तरह सत्ता पक्ष इसके लिए विपक्ष की हठधर्मिता को और विपक्ष सरकार की जिद को दोषी बता रहा है। समझने की बात यह है कि इस तरह का परस्पर दोषारोपण हालात को सुधारने में या मौजूदा स्थिति के दुष्परिणामों को कम करने में रत्ती भर भी मदद नहीं करता। चीफ जस्टिस रमना ने बाकायदा उदाहरण देकर बताया कि कैसे इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट अमेंडमेंट बिल पर बहस के दौरान सीपीएम से जुड़े तमिलनाडु के एक सांसद ने उसके संभावित दुष्परिणामों पर रोशनी डाली थी और बताया था कि इसका श्रमिकों पर बुरा असर पड़ेगा।

कानून बनते समय संसद में पर्याप्त बहस न होने से यह साफ नहीं होता कि आखिर संबंधित कानून लाने के पीछे मकसद क्या है। दूसरी बात यह कि बहस के अभाव में कानूनों में संदेह और दुविधा की काफी गुंजाइश रह जाती है। इससे जहां अदालतों में याचिकाओं की संख्या बढ़ती है, वहीं कानूनों की व्याख्या करने का अदालत का काम भी कठिन हो जाता है। फिर भी, संसद में बहस का न होना समस्या का एक पहलू है।

दूसरा पहलू यह है कि जब बहस होती भी है तो उसका वैसा स्तर नहीं होता जो अपेक्षित है। संसद में बहस के स्तर में भी गिरावट आई है। चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों खेमों में राजनीतिक नेतृत्व को दूसरे पक्ष के मत्थे दोष मढ़ कर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेने की परिपाटी से ऊपर उठना पड़ेगा। तभी संसद की पुरानी गरिमा बहाल होगी और तभी वह कानून बनाने की अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वाह कर पाएगी।

जातीय जनगणना से जो विष निकलेगा, वो उन्हीं लोगों को मारेगा जो इसकी मांग कर रहे

मैं लोकतंत्र के अतिरिक्त किसी अन्य शासन पद्धति की पैरवी नहीं करता। वास्तविक लोकतंत्र विवेक की मांग करता है, जिसमें सभी वर्ग के नेताओं को संकीर्ण राजनीतिक हितों का परित्याग करना पड़ता है। उसे घपलेबाजों पर विराम लगाना होता है। ऐसे में विरोध पर अड़े राजनीतिक वर्ग को मौजूदा सरकार का समर्थन करने का जज्बा दिखाना चाहिए, जो मतदाताओं के कोप की परवाह न करते हुए सुधारों की राह में अपनी राजनीतिक पूंजी निवेश करने का साहस दिखा रही है। चलिए ऐसे भारत के निर्माण में जुटते हैं, जिस पर हम सभी हमेशा के लिए गर्व कर सकें।

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान, पर देश में इस समय जाति पूछने का शोर है। यह सही है कि जाति भारतीय समाज की वास्तविकता है, मगर सवाल है कि इस वास्तविकता ने समाज को दिया क्या है? जो जातियों को अलग-अलग खांचों में बांटकर देखना चाहते हैं, वे भूल जाते हैं कि इस विविधता को जोड़ने वाली कोई एकता भी तो होनी चाहिए, क्योंकि जाति समग्रता में ही जीवित रह पाएगी। जो लोग जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं, वे शायद समझ नहीं रहे हैं कि इससे जो विष निकलेगा, वह उन्हें ही मारेगा।

पश्चिम के युग प्रवर्तक विचारक रूसो ने कहा था कि किसी भी समाज में गुटों के बनने से हमेशा नुकसान होता है, पर यदि गुट बन ही गए हों तो, जितने ज्यादा बन जाएं, उतना अच्छा। जातीय जनगणना के पक्षधर लोगों के मन में कई तरह की अवधारणाएं हैं, जो जातियों की अनुमानित संख्या की ही तरह किसी ठोस धरातल पर नहीं खड़ी हैं। पिछड़े वर्ग के जो नेता इसकी मांग कर रहे हैं, वे यह मानकर चल रहे हैं कि बीपी मंडल ने मंडल आयोग की सिफारिशें करते समय पिछड़े वर्ग की जो कुल जनसंख्या बताई थी, वह कम है। मंडल ने कहा था कुल आबादी का 52 फीसदी पिछड़े वर्ग के लोग हैं। जातीय जनगणना से असलियत सामने आ जाएगी और फिर उन्हें आरक्षण का कोटा बढ़ाने का आधार मिल जाएगा। सवर्ण जाति के लोगों के मन में यह डर है कि उनकी संख्या जो अभी बताई जाती है, उससे कम निकलेगी। इन दोनों की उम्मीद और आशंका का आधार 1931 की आखिरी जातीय

जनगणना के आंकड़े हैं। उनका अब कोई अर्थ नहीं है। उस समय देश की आबादी 27 करोड़ थी और आज के पाकिस्तान और बांग्लादेश भी इसमें शामिल थे। विडंबना यह है कि जातियों की जनगणना की मांग में सबसे आगे वे लोग हैं जो कभी जातिविहीन समाज की बात किया करते थे। पिछड़ा वर्ग को आरक्षण की सुविधा देने के लिए जरूरी है कि उनकी जातियों की सही संख्या का पता हो। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि 1931 की जनगणना के आंकड़े को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी वजह से 2010 में संप्रग सरकार ने पिछड़ी जातियों की गणना का मन बनाया, लेकिन फिर पीछे हट गई।

मोदी सरकार ने भी 2018 में संसद में कहा कि 2021 की जनगणना में पिछड़ों की गिनती कराई जाएगी, पर अब कह रही है कि उसका ऐसा कोई इरादा नहीं है। मार्च 2011 में तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने लोकसभा में कहा था कि यह बहुत उलझा हुआ मुद्दा है। पिछड़े वर्ग की जातियों की एक केंद्रीय सूची है, एक राज्यों की सूची है। कुछ राज्यों में ऐसी सूची है ही नहीं। कुछ राज्यों के पास पिछड़ी जातियों और अति पिछड़ी जातियों की सूची है।

रजिस्ट्रार जनरल ने कहा है कि इसके अलावा अनाथ और निराश्रित बच्चे हैं। कुछ जातियों के नाम पिछड़ा और अनुसूचित जाति, दोनों सूची में हैं। ईसाई या इस्लाम में मतांतरित लोगों के बारे में अलग-अलग राज्यों की अलग-अलग नीति है। एक राज्य से दूसरे राज्य जाने वालों की समस्या अलग है। इसके अलावा अंतरजातीय विवाह से उत्पन्न बच्चों की समस्या है। संप्रग सरकार ने सामाजिक-आर्थिक जातीय जनगणना करवाई, जिसके जाति के अलावा बाकी आंकड़े 2016 में सार्वजनिक किए गए। सामाजिक न्याय मंत्रलय ने ये आंकड़े नीति आयोग के उपाध्यक्ष अरविंद पानगड़िया की अध्यक्षता वाले विशेषज्ञ समूह को सौंप दिए। उसकी शुरुआती रिपोर्ट के बाद क्या हुआ, पता नहीं। अक्टूबर 2017 में गठित जस्टिस जी रोहिणी की अध्यक्षता वाले आयोग ने फरवरी 2021 में अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा कि पिछड़ा वर्ग की जातियों की जनगणना जरूरी है। आयोग ने पिछड़ा वर्ग को चार उपभागों में विभाजित करने का सुझाव दिया है।

आयोग ने पाया कि केंद्रीय सूची में शामिल पिछड़ा वर्ग की 2633 जातियों में से आरक्षण की मलाई ऊपर की सौ जातियां ले गईं। एक तिहाई जातियों को तो शिक्षा और नौकरी में कोई लाभ मिला ही नहीं। सारा पेच यहीं है। जातीय गणना के बाद अति पिछड़ी जातियां अपने हक के लिए पिछड़ों की ही प्रभावशाली जातियों के खिलाफ उठ खड़ी होंगी। इसकी जमीन तीन दशक पहले सामाजिक न्याय के नाम पर सभी पिछड़ों के नेता बनने वालों ने तैयार कर दी है। मुलायम सिंह यादव और लालू यादव अब पिछड़ों के नहीं यादवों के नेता रह गए हैं। इन दोनों ने अपने समय में एक-एक कुर्मी नेता क्रमशः नीतीश कुमार और बेनी प्रसाद वर्मा को साथ लिया। दोनों ने बाद में अपना अलग रास्ता पकड़ लिया। हालांकि बेनी ने औपचारिक रूप से ऐसा नहीं किया। तो जब पिछड़ों के कोटे का फायदा लेना था तो सबको जोड़ लिया और सत्ता मिली तो बाकी को भूल गए। रामधन ने एक बार कहा था कि बड़े घटक ने छोटे घटक को गटक लिया। जातीय जनगणना के आंकड़े आने के बाद यह गटका हुआ उगलना पड़ेगा, क्योंकि परमाणु विखंडन की ही तरह समाज के गुटों के विखंडन की प्रक्रिया एक बार शुरू हो जाती है तो वह रुकती नहीं। यह प्रक्रिया अब रुकने वाली नहीं है। जनगणना से पहले ही उसके संकेत नजर आ रहे हैं। कहीं निषाद अपना हिस्सा मांग रहे हैं तो कहीं राजभर। छोटे-छोटे जाति समूह सत्ता में अपनी हिस्सेदारी के लिए सामने आ रहे हैं। सामाजिक क्रांति के पुरोधा मुलायम हों या लालू, अब उन्हें भी इन जाति समूहों से सौदेबाजी करनी होगी। इस बदलाव की आहट को नरेंद्र मोदी ने पहले से समझ लिया था। पिछले सात सालों में संख्या में छोटी जातियों को भाजपा में जगह ही नहीं मिली, बल्कि उन्हें संगठन और सत्ता में हिस्सेदारी भी मिली है।

कहते हैं क्रांति को असफल करने का तरीका यही है कि उसे होने दिया जाए। इसलिए इस सामाजिक विखंडन को रोकने का भी यही तरीका है कि उसे होने दिया जाए, क्योंकि एक बार यह हो गया, तब संख्या में छोटे-छोटे इन जाति समूहों को भी अहसास होगा कि सौदेबाजी की राजनीति का सिलसिला लंबे वक्त तक नहीं चल सकता। तब इस विविधता को एकता की जरूरत महसूस होगी, पर इस उपक्रम में समाज में कितना विष निकलेगा व कितना अमृत (अगर निकला) यह किसी को पता नहीं है, पर इस जाति मंथन को अब न रोका जा सकता है और न ही रोका जाना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

21 साल के लड़के ने 4 बच्चों की मां से रचाई शादी, सरपंच के सामने मांग में भरा सिंदूर

खगड़िया । बिहार के खगड़िया जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र के शिरोमणी टोला नयागांव के 21 वर्षीय युवक ने चार बच्चे की 41 वर्षीय मां से शादी रचा ली। हालांकि यह सुनकर अटपटा लगा होगा लेकिन घटना सच है। जानकारी के अनुसार जोड़ावरपुर पंचायत के शिरोमणी टोला निवासी के एक युवक का गत दो वर्षों से दरियापुर भेलवा के नयागांव पंचखुंट्टी की एक 41 वर्षीया महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शनिवार की देर शाम महिला के घर पर स्थानीय ग्रामीणों ने जोड़ावरपुर व दरियापुर भेलवा पंचायत के सरपंच को बुलाया। स्थानीय ग्रामीणों व सरपंच के बीच युवक और महिलाओं से पूछताछ की। पंचों व प्रबुद्ध जनों के बीच पंचनामा बनाकर स्थानीय ग्रामीणों के बीच युवक ने महिला की मांग में सिंदूर भर दिया। बताया जाता है कि इस प्रेम विवाह में युवक व महिला दोनों अंतर जातीय हैं। महिला के पति की पूर्व में ही मौत हो चुकी है। पंचनामा में वर्णित तथ्यों में महिला के साथ दो पुत्र को रखने तथा शेष दो अन्य पुत्र दादी के पास रहने का निर्णय लिया गया है। चाहे मामला जो भी हो, यह अंतरजातीय शादी जगह-जगह चर्चा का विषय बनी हुई है।

श्मशान घाट में तांत्रिक ने चाकू की नोंक पर किया महिला का रेप, परिवार से ठगे 10 हजार रुपये

पूर्वी चंपारण । पूर्वी चंपारण के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक तांत्रिक ने महिला के साथ चाकू की नोंक पर रेप किया। इतना ही नहीं घटना को अंजाम देने से पहले उसने पीड़िता के परिजनों से 10 हजार रुपए भी ठग लिए। पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल, मुफस्सिल थाना क्षेत्र की एक महिला पिछले कई दिनों से बीमार चल रही थी। उसने स्थानीय स्तर अपना इलाज कराया लेकिन उसे बेहतर परिणाम नहीं मिले। इस वजह से उसके परिजन परेशान थे। कुछ दिन पहले वह अपने दरवाजे पर बैठी थी तो गांव के एक व्यक्ति ने कहा कि तुम्हारे ऊपर भूत का साया है। इसी वजह से तुम्हें बीमारी से छुटकारा नहीं मिल रहा है। झाड़फूंक से भूत भाग जाएगा तो तुम ठीक हो जाओगी। महिला ने अपने परिजनों को यह बात बताई तो वे इसके लिए तैयार हो गए। इसके बाद महिला से गांव के उसी व्यक्ति ने 10 हजार रुपये लिए और श्मशान में झाड़फूंक करने की बात कही। सभी उसकी बातों में आकर श्मशान घाट चले गए। यहां कुछ दूर जाने के बाद तांत्रिक ने महिला के ससुर को रोक दिया और इंतजार करने को कहा। वह महिला को अपने साथ ले गया। सुनसान जगह देखकर भूत भगाने के नाम पर चाकू निकाला और महिला के साथ रेप किया। रेप के बाद तांत्रिक धमकी देते हुए भाग गया। महिला ने लौटकर अपने परिवार वालों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता ने थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज करके पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया है। उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। वहीं आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया है।

सरकार ने हाईकोर्ट में कहा- जलाशयों पर अतिक्रमण के लिए अंचलाधिकारी होंगे जिम्मेवार, सीओ करेंगे मॉनिटरिंग

रांची। झारखंड के जलाशयों, नदियों और डैमों के संरक्षण के लिए सरकार ने संबंधित अंचलाधिकारियों को जिम्मेवार बनाया है। जलाशयों के संरक्षण के लिए एक नियम बनाया गया है और नगर विकास विभाग के सचिव ने सभी जिलों के उपायुक्तों को इसका पत्र भेजा है। इसके तहत राज्य में जितने भी जलाशय हैं, उसकी पहचान की जाएगी। पहचान के बाद सीमांकन किया जाएगा। सरकार की ओर से गुरुवार को यह जानकारी हाईकोर्ट को जलाशयों में हुए अतिक्रमण के मामले की सुनवाई के दौरान दी गयी। अदालत को बताया गया कि जलाशयों के अतिक्रमणकारियों की पहचान कर नोटिस दिया जाएगा। उनकी आपत्तियों को सुनने के बाद अतिक्रमण हटाया जाएगा। हटाने के बाद दोबारा अतिक्रमण हुआ तो संबंधित अंचलाधिकारी जिम्मेवार होंगे। अंचलाधिकारियों को किसी भी कीमत पर जलाशयों के किनारे अतिक्रमण नहीं होने देने का निर्देश दिया गया है।

चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने सरकार के इस निर्णय की सराहना की और कहा कि यदि सरकार इस पर गंभीरता से अमल करे तो इस तरह के मामले अदालत में नहीं पहुंचेंगे। कोर्ट भी शहर के जलाशयों को संरक्षित करना चाहता है।

धुर्वा और गेतलसूद डैम का सीमांकन पूरा

सुनवाई के दौरान पेयजल विभाग के सचिव प्रशांत कुमार ने अदालत को बताया कि रांची के धुर्वा और गेतलसूद डैम के सीमांकन का काम पूरा कर लिया गया है। अतिक्रमण करने वालों की पहचान कर ली गयी है और उन्हें नोटिस दे दिया गया है। अतिक्रमण हटाने के बाद दोनों डैम की घेराबंदी कर दी जाएगी। अदालत को बताया गया कि दोनों डैम की जियो मैपिंग भी कराई जा रही है। गुरुवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव प्रशांत कुमार ने यह जानकारी हाईकोर्ट को दी। इस पर चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने सचिव को शपथपत्र दाखिल कर यह जानकारी देने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान नगर निगम की ओर से बताया गया कि इंफोर्समेंट अधिकारी की नियुक्ति के लिए जेपीएससी को अधियाचना भेजी गयी है। जब तक नियुक्ति नहीं हो जाती है, तब तक अनुबंध पर ही नियुक्ति की जा रही है। अभी 50 से अधिक लोगों को अनुबंध पर नियुक्त किया गया है। जल्द ही और लोगों को नियुक्त किया जाएगा। डैम और जलाशयों में अतिक्रमण के मामले में कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान पेयजल सचिव को प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था।

सीएम योगी ने बिछाई मिशन-2022 की बिसात, हिंदुत्व एजेंडे के साथ दलित-कर्मचारी-युवाओं को लुभाने की कोशिश

लखनऊ । भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में पूरी तरह जुट गए हैं। गुरुवार को अनुपूरक बजट पर बोलते हुए भी सीएम योगी पूरी तरह चुनावी मूड में दिखे। प्रदेश के इस मिनी बजट में सीएम ने जहां अगले छह महीने में पूरी हो सकने वाली योजनाओं को रफ्तार देने की कोशिश की वहीं चुनाव से पहले युवाओं को लुभाने की कोशिश में ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन या डिप्लोमा में एडमिशन लेने वाले एक करोड़ युवाओं को टैबलेट या स्मार्टफोन देने का ऐलान भी कर दिया।

सीएम ने बताया कि इसके लिए तीन हजार करोड़ रुपयों का कोष बना दिया गया है। इसके साथ सीएम ने हिंदुत्व के एजेंडे को सामने रखते हुए अयोध्या को लेकर विपक्ष पर तंज भी कसा। सीएम ने कहा कि जो लोग पहले अयोध्या की तरफ झांकते नहीं थे वे अब कह रहे हैं कि राम हमारे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को मां गंगा से लेकर सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद हमेशा मिला है। लेकिन इस पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। बस अपने नाम पर स्मारक बन गए। उन्होंने कहा कि आज काशी-विश्वनाथ, ब्रज क्षेत्र, अयोध्या समेत सभी पर्यटन स्थलों का विकास हो रहा है। ये पहले भी हो सकता था लेकिन वे लोग तो राम और कृष्ण को साम्प्रदायिकता का प्रतीक मानते थे।

सीएम योगी ने यूपी में माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के उल्लेख के बहाने दुखती नब्ज पर हाथ रखने की कोशिश की भी की। सीएम ने कहा कि सरकार ने जितने भी माफियाओं की जमीन को जब्त किया है उन सभी पर गरीबों के लिए मकान बनाया जाएगा। हमारी सरकार ने 1500 करोड़ रुपए की अवैध सम्पत्ति जब्त और ध्वस्त की है। उन्होंने कहा कि माफियाओं ने जिन जमीनों पर कब्जा कर हवेली खड़ी कर ली थी उनको गिराकर गरीबों के लिए आवास बनाया जाएगा। इन मकानों में गरीब और दलित रहेंगे। यही हमारा सामाजिक न्याय है। उन्होंने कहा कि माफिया को जो साथ लेकर जाएगा उसको मालूम है कि फिर उसके बाद पीछे-पीछे बुलडोजर भी घूमता हुआ जाएगा।

सीएम योगी ने विपक्ष को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ा। उन्होंने अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर बधाई देने वाले नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कुछ लोग तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। वहां महिलाओं और बच्चों के साथ जो क्रूरता की जा रही है इसके बावजूद कुछ लोग बेशर्मी से तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। ऐसे लोगों के चेहरों को बेनकाब करने की जरूरत है। सीएम ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर विपक्ष की ओर था। गौरतलब है कि हाल में सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने तालिबान की तुलना भारत के स्वतंत्रता सेनानियों से कर दी थी।

कर्मचारियों के लिए खोला खजाना- इसके साथ ही चुनाव के पहले योगी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के भी खजाना खोल दिया है। सीएम योगी ने प्रदेश के 28 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को 11 फीसदी की बढ़ी दर से महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) के भुगतान का ऐलान विधानसभा में किया। इसके साथ ही राज्य कर्मचारियों को पहली जुलाई से 28 फीसद महंगाई भत्ता मिलने का रास्ता साफ हो गया। इसके साथ ही सीएम योगी ने वकीलों का सुरक्षा निधि भत्ता भी डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए करने का ऐलान किया।

जगदानंद सिंह पर सुशील मोदी का तंज, पूछा- इस उम्र में अभी और गत होना बाकी है?

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रदेश अध्यक्ष और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप के बीच जारी विवाद सार्वजनिक हो चुका है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर वार पलटवार कर रहे हैं। ऐसे में विरोधी दलों को पार्टी की कलह पर टिप्पणी करने का अच्छा मौका मिल गया है। इसी क्रम में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने जगदानंद सिंह पर तंज कसा है। जगदानंद सिंह पर निशाना साधते हुए सुशील मोदी ने ट्वीट कर पूछा, जगदा बाबू पूछ रहे हैं कौन है तेज प्रताप? आप नहीं पहचानते लालू के बेटे को? इतनी जल्दी भूल गए गाली देने वाले को? भूल जाना ही अच्छा है? इस उम्र में अभी और गत होना बाकी है?

प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने गुरुवार को पूछा था कि तेजप्रताप कौन हैं। मैं किसी दूसरे को नहीं जानता हूं। इसके बाद पलटवार करते हुए तेजप्रताप ने कहा कि जगदानंद सिंह ने पार्टी के संविधान का उल्लंघन किया है और अगर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो वह कोर्ट जाएंगे। उनपर कार्रवाई नहीं होने तक मैं पार्टी की किसी गतिविधि में भी भाग नहीं लूंगा।

कैसे हुई विवाद की शुरुआत

दरअसल, राजद छात्र इकाई की बैठक में तेजप्रताप यादव ने प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने जगदानंद को हिटलर बताया था। इसके बाद से जगदानंद नाराज हो गए थे। 10 दिन तक लालू और तेजस्वी ने उन्हें मनाया। इसके बाद वे बुधवार को पार्टी कार्यालय पहुंचे। इसी दिन उन्होंने राजद छात्र इकाई के अध्यक्ष और तेजप्रताप के करीबी आकाश यादव को पद से हटा दिया। यादव की जगह गगन कुमार को राजद छात्र इकाई की जिम्मेदारी सौंपी। इससे तेजप्रताप भड़क गए। उन्होंने जगदानंद सिंह के इस फैसले को पार्टी के संविधान के खिलाफ बताया था।

यूपी में टोल कंपनियों ने सरकार को लगाया 287 करोड़ का चूना, करारों में हो गई स्टाम्प चोरी

अलीगढ़ । जनता की गाढ़ी कमाई से टोल वसूल कर कंपनियां अपना खजाना भर रही हैं। वहीं इन कंपनियों ने प्रदेशभर में सरकार को 287 करोड़ रूपए का चूना लगा रखा है। लखनऊ, गोरखपुर, मेरठ, अयोध्या, अलीगढ़ सहित 29 जिलों में स्टाम्प को लेकर पिछले 10-10 वर्षों से वाद लंबित हैं। यह वह वाद हैं जो टोल कंपनियों व एनएचएआई के बीच हुए करारों में स्टाम्प चोरी की गई।

एनएचएआई हाइवे तैयार कर उस पर टोल भी लगाती है। टोल की वसूली के लिए एनएचएआई दूसरी प्राइवेट कंपनियों को ठेका देती है। जब एनएचएआई प्राइवेट कंपनियों से करार करती है तो रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करने के लिए स्टाम्प भी लगाए जाते हैं। एग्रीमेंट के दौरान ही कंपनियों ने जितने की स्टाम्प डयूटी बनती थी, उतने स्टाम्प नहीं लगाए। इसका सीधा नुकसान यूपी सरकार को हुआ। अलीगढ़ से बरौली विधायक विधानसभा सत्र में सवाल करते हुए पूछा कि प्रदेश में कहां-कहां पर व कितनी धनराशि की एनचएआई व टोल संग्रहकर्ता के बीच हुए करार में स्टाम्प चोरी के प्रकरण सामने आए हैं। इस पर प्रदेश के स्टाम्प व न्यायालय शुल्क और पंजीयन विभाग मंत्री स्वतंत्रा प्रभारी रवीन्द्र जायसवाल ने जवाब दिया। प्रदेश के समस्त जनपदों में 73 मामले स्टाम्प चोरी के प्रकाश में आए हैं। जिसमें 69 में वसूली के लिए स्टाम्प वाद दायर किए गए हैं।

अलीगढ़ में सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा

विधानसभा में रखी गई शहरों की सूची में अलीगढ़ टॉप पर है। यहां 56 करोड़ रुपये के स्टाम्प की चोरी की गई है। रायबरेली 1.31 करोड़, भदोही 1.46 करोड़, मुरादाबाद 25.54 करोड़, लखनऊ 18.63 करोड़, अयोध्या 42 करोड़, देवरिया 7.65 करोड़, गोरखपुर 12.51 करोड़, हाथरस 4.99 करोड़, बहराइच 17 लाख, अम्बेडकर नगर 21 लाख, जालौन 9.44 करोड़, वाराणसी 6.79 करोड़, कुशीनगर 12.59 करोड़, ललितपुर 77 लाख, कानपुर देहात 3.67 करोड़, बाराबंकी 87 लाख, अमरोहा 7.69 करोड़, आगरा 2.68 करोड़, हापुड़ 2.24 करोड़, फिरोजाबाद 10.26 करोड़, झांसी 10.76 करोड़, बस्ती 23 करोड़ और मेरठ में 25 करोड़ की चोरी की गई है।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआइ) ने 2010 में अलीगढ़ से गाजियाबाद तक फोरलेन का निर्माण कराया गया था। इसमें नई दिल्ली के बसंत विहार की कंपनी गाजियाबाद-अलीगढ़ एक्सप्रेस वे प्राइवेट लिमिटेड को भी निर्माण कार्य की जिम्मेदारी मिली। एनएचएआइ ने कंपनी के साथ करार किया कि वह सड़क निर्माण के बदलने में उसे 24 साल तक गभाना टोल प्लाजा पर टोल टैक्स वसूलने का अधिकार मिलेगा। दोनों के बीच 100 रुपये के स्टांप पर अनुबंध हो गया।

अनुबंध के आधार पर कंपनी ने गभाना टोल प्लाजा पर वसूली शुरू कर दी, 2016 में स्टांप व निबंधन विभाग ने दोनों के बीच हुए करार को अवैध ठहराते हुए जांच शुरू कर दी। दावा किया कि इस अनुबंध पर संबंधित कंपनी को स्टांप ड्यूटी भी अदा करनी चाहिए, लेकिन नहीं की।

तत्कालीन एआइजी (स्टांप) जीएस त्रिपाठी ने जांच की तो 1141 करोड़ रुपये की डीड के आधार पर चार फीसद शुल्क (दो फीसद स्टांप शुल्क व दो फीसद विकास शुल्क) यानि 45 करोड़ की स्टांप चोरी सामने आई। जिस पर ब्याज भी लगाया गया है।

विधानसभा सत्र में टोल कंपनियों पर पर बकाया चल रहा स्टाम्प शुल्क के संबंध में सवाल पूछा था। जिसके एवज में जवाब मिला है कि 287 करोड़ रूपए की बकाएदारी है। यह पैसा कंपनियों से वसूला जाए ताकि प्रदेश के विकास में काम आ सके।

आईपीएस अफसर बनकर डीसीपी को फोन करने वाला गिरफ्तार, फर्जी रॉ एजेंट बनकर कर चुका है वसूली

कानपुर । खुद को आईपीएस अफसर बताकर डीसीपी ट्रैफिक को फोन करने वाले एक शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से होम मिनिस्ट्री का एक फर्जी आई कार्ड बरामद हुआ है। इससे पहले 2014 में फर्जी रॉ एजेंट बनकर वसूली के आरोप में जेल जा चुका है।

डीसीपी ट्रैफिक बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि 16 अगस्त की दोपहर उन्हें एक फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम आशुतोष त्रिपाठी बताया। उसने कहा कि आईपीएस अधिकारी है और एनटीआओ (नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन) में तैनात बताया। आरोपित ने डीसीपी से पूछा कि वाहन के चालान निरस्त हो सकते हैं क्या इस पर डीसीपी ने जवाब दिया कि कारण सही है तो हो सकते हैं। साथ ही डीसीपी ने आरोपित से उसका आईपीएस बैच पूछा तो उसने बात घुमा दी।

गोली लगी है नहीं तो मिलने आता- आरोपित ने डीसीपी से कहा कि एक

ऑपरेशन के दौरान पैर में 1.55 एमएम की गोली लगी है, नहीं तो वह मिलने पहुंचता। इस पर डीसीपी ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी मांगी तो आरोपित ने फिर बात घुमा दी। पता पूछा तो चकेरी बताया। उन्होंने तत्काल क्राइम ब्रांच को सूचना दी। क्राइम ब्रांच के एक दरोगा को गुलदस्ता लेकर उसके पास भेजा गया।

आरोपित गुलदस्ता लेने नहीं आया। उल्टा डीसीपी को फोन करके कहा कि वह अपना एक आदमी भेज रहा है, उसे गुलदस्ता दे दिया जाए। उसका आदमी पहुंचा, जिसके जरिए पुलिस आशुतोष त्रिपाठी तक पहुंच गई। वह शंकराचार्य नगर नौबस्ता का रहने वाला है।

फर्जी आईकार्ड बरामद - डीसीपी क्राइम सलमान ताज पाटिल ने बताया कि आरोपित के पास से मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स का आई कार्ड बरामद हुआ। उसने टेक्निकल डायरेक्टर का कार्ड बनवाया हुआ था। रैंक में ए प्लस ऑफिसर लिखा था। आरोपित आशुतोष ने पुलिस को बताया कि वह किदवई नगर में घनश्याम दास शिवकुमार सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सरकारी टीचर है। खुद को इंजीनियर बताया। यह भी कहा कि उसके दिमाग का इलाज बड़े डॉक्टर से चल रहा है। हालांकि वह इलाज के पर्चे नहीं दिखा सका।

एक लड़की को फंसाया जाल में - डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि आईपीएस अधिकारी बन उसने एक मोबाइल शोरूम की सेल्स गर्ल को फंसा लिया था। उससे वह लगातार फोन पर चैटिंग करता था। उसके भी सुराग मिले हैं। 7 नवम्बर 2014 को आशुतोष को कोतवाली पुलिस ने जेल भेजा था। वह कोतवाली में रॉ ऑफिसर बनकर पहुंच गया था। वहां पर पुलिस पर धाक जमा रहा था। उस दौरान आशुतोष ने पुलिस को बताया था कि उसका साला आर्मी में कर्नल है और दोनों ने कई ऑपरेशन साथ में किए हैं। तत्कालीन एसएसपी केएस इमैनुअल के आदेश पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेजा था।

उसके पास जो वाहन था उसके दस्तावेज भी फर्जी निकले थे। सलमान ताज पाटिल, डीसीपी क्राइम ने बताया कि आरोपित का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। एक बार का तो पता चला है। यह जानकारी जुटाई जा रही है कि कहीं उसने किसी को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी वगैरह तो नहीं की थी। अब तक इसके गिरोह बनाकर काम करने को लेकर जानकारी नहीं मिली है।

दिल्ली से लौटकर सीएम योगी पहुंचे पीजीआई, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का जाना हाल

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को पीजीआई में भर्ती पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यपाल कल्याण सिंह को देखने पहुंचे। सीएम ने पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन और परिजनों से कल्याण के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी हासिल की। क्रिटिकल केयर मेडिसिन (सीसीएम) के आईसीयू में भर्ती कल्याण सिंह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। उनकी तबीयत पहले जैसी बनी हुई है।

आपको बता दें कि कल्याण सिंह को 4 जुलाई को नाजुक अवस्था में पीजीआई शिफ्ट किया गया था। क्रिटिकल केयर मेडिसिन के आईसीयू में उपचार होने के करीब चार दिन बाद कल्याण की तबीयत में काफी सुधार हुआ। वह लोगों से बातचीत करने के साथ उनका जवाब भी दे रहे थे। 17 जुलाई को सांस लेने में तकलीफ बढ़ने पर ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया।

अगले दिन फेफड़ों को जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन न मिलने पर 18 जुलाई को गले में नली (नॉन इनवेसिव वेंटिलेशन) डाली गई। ज्यादा दिक्कत बढ़ने पर 21 जुलाई को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। दो दिन से गुर्दे की काम करने की गति धीमी होने पर डॉक्टरों ने डायलिसिस शुरू कर दी है। इसके अलावा अन्य अंगों पर भी दबाव पड़ रहा है। पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन बताते हैं कि कल्याण के उपचार में दिल, गुर्दा, डायबिटीज, न्यूरो, यूरो, गैस्ट्रो व क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग समेत 12 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी में लगी हुई है

बाहुबली विधायक विजय मिश्रा पर रेप का आरोप लगाने वाली लड़की ने दी आत्मदाह की धमकी, बोली-लगातार हो रहा है उत्पीड़न

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के भदोही की ज्ञानपुर सीट से विधायक बाहुबली विजय मिश्र पर रेप का आरोप लगाने वाली लड़की ने अब आत्मदाह कर लेने की धमकी दी है। लड़की ने विजय मिश्रा पर अपने गुर्गों और पुलिस द्वारा परिवार का उत्पीड़न कराने और भाई को रेप के फर्जी मामले में फंसाने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि इससे पहले सोमवार को सांसद अतुल राय पर रेप का आरोप लगने वाली युवती ने सुप्रीम कोर्ट के सामने आत्मदाह की कोशिश की थी। गंभीर हालत में उसे दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

एक वीडियो शूट कर लड़की ने आरोप लगाया कि विधायक विजय मिश्रा ने सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म किया बल्कि सामूहिक दुष्कर्म भी कराया। लड़की ने कहा कि वह 19 अगस्त को यह वीडियो शूट कर रही है। उसने आरोप लगाया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के कई महीने बीत जाने के बाद भी उसे इंसाफ नहीं मिला।

लड़की ने कहा कि मुझे विजय मिश्रा ने कहा था कि मैं बाहुबली हूं। मैंने कई लोगों के ऊपर फर्जी केस कराए हैं। यदि तुम मेरा नाम लोगी तो मैं तुम्हें जान से मरवा दूंगा, तुम्हारे परिवारवालों को जान से मरवा दूंगा। जब विजय मिश्रा जेल गए तब मुझे हिम्मत आई कि मुझे कानून इंसाफ देगा। तब अपने ऊपर हुए दुष्कर्म के बारे में मैंने भदोही जिले में शिकायत दर्ज कराई।

लड़की ने आरोप लगाया कि विजय मिश्रा ने अपने गुर्गों और पुलिसवालों को मेरे घर पर भेजा। उन लोगों ने मुझे मारा-पीटा और टार्चर किया। मेरा मोबाइल छीनने लगे। मेरे भाई के ऊपर मुंबई से रेप का मुकदमा दर्ज कराया गया है। जबकि मेरा भाई कभी मुंबई गया ही नहीं है। लड़की ने कहा कि विजय मिश्रा ने न जाने कई लोगों के ऊपर फर्जी केस दर्ज कराए हैं ताकि मैं टार्चर होकर अपना केस वापस ले लूं। लड़की ने इंसाफ की गुहार लगाते हुए कहा कि चार महीने पहले उसने मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को चार महीने पहले चिट्ठी भेजी थी लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला। आज तक चार्जशीट दाखिल नहीं हुई। मेरे परिवार को लगातार टार्चर किया जा रहा है। मैं अपने मां-बाप को कैसे रोते हुए देख सकती हूं।

मैं और मेरा परिवार सदमे में है। उन्होंने मेरे भाई पर मुकदमा कराया है। कह रह रहे हैं कि मैं भी लड़की का रेप कराने में शामिल हूं। लड़की ने कहा कि यदि उसे इंसाफ नहीं मिला तो मैं प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास या विधानसभा के सामने आत्मदाह कर लूंगी। लड़की ने रोते हुए कहा कि प्लीज मेरी मदद करें। इस मामले की सीबीआई जांच कराएं।

गौरतलब है कि इस लड़की ने विधायक, उनके बेटे और परिवार के ही एक अन्य युवक पर रेप का आरोप लगाया था। लड़की का कहना है कि विधायक की ताकत के कारण पहले वह डर कर मुंबई चली गई थी। उसकी तहरीर पर विधायक समेत तीनों के खिलाफ गोपीगंज थाने में गैंगरेप का मुकदमा दर्ज किया गया था।

लड़की के अनुसार 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान उसे टीम के साथ प्रचार-प्रसार के लिए बुलाया गया था। उस दौरान असलहा दिखाकर विधायक ने कई बार उसके साथ दुराचार किया। उनके बेटे विष्णु मिश्रा और परिवार के ही विकास मिश्रा ने भी रेप किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी।

इससे वह डरकर मुंबई चली गई। पीड़िता ने कहा कि इन दिनों उनके जेल में उसे न्याय की आस जगी। इस पर वह न्याय की गुहार लेकर थाने पहुंच गई। लड़की की तहरीर पर गोपीगंज थाने में विधायक विजय मिश्रा, बेटे विष्णु मिश्रा व विकास मिश्रा के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 376डी, 342 व 506 के तहत केस दर्ज कर लिया गया था।

युवक को छेड़खानी करना पड़ा महंगा, महिला ने बीच सड़क पर चप्पलों से पीटा

कानपुर । कानपुर के रामादेवी चौराहे पर देर रात पैदल जा रही महिला से छेड़खानी करना युवक को महंगा पड़ गया। महिला ने युवक को दबोच लिया और बीच सड़क पर चप्पलों से पीटा। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने पिटाई का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुरुवार रात करीब 32 वर्षीय महिला पैदल रामादेवी चौराहे से हरजेंदर नगर की तरफ जा रही रही। तभी पीछे से आये एक युवक ने उसे रोका और अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगा। इतना ही नहीं आरोपित छेड़खानी भी करने लगा। तभी महिला ने विरोध करते हुए आरोपित की चप्पल से पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि महिला ओमपुरवा की रहने वाली है और वह अपने घर जा रही थी। आरोपित उसका पड़ोसी है जो महिला को अपने साथ ले जाकर घर छोड़ने की जिद कर रहा था। लोगों ने बीच बचाव करा मामला शांत करा दिया था। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। चकेरी इंस्पेक्टर अमित तोमर ने बताया कि महिला की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई है। तहरीर मिलने के बाद मामला दर्ज कर आरोपित पर कार्रवाई की जाएगी।

राजद में घमासान- लंबी लड़ाई का तेज शंखनाद, जगदानंद पर तेजप्रताप का पलटवार, कहा- मेरे पिता से पूछे कौन हूं मैं

पटना। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने जब से राजद छात्र प्रदेश अध्यक्ष आकाश यादव को पद से हटाया है। तब से उनके और लालू यादव के बेटे तेजप्रताप के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। दोनों तरफ से वार-पलटवार का दौर चालू है। लालू के बड़े बेटे और हसनपुर से विधायत तेजप्रताप ने मर्यादा की सीमा लांघकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पर तीखे प्रहार किए हैं। साथ ही, उन्होंने लंबी लड़ाई का शंखनाद भी कर दिया है। उनका कहना है कि वे इस मामले को कोर्ट तक लेकर जाएंगे। इससे पहले जब इस मसले पर जगदानंद से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि तेजप्रताप कौन हैं, मैं सिर्फ लालू प्रसाद और तेजस्वी को जानता हूं। इसके जवाब में तेजप्रताप ने कहा कि जाकर मेरे पिता लालू प्रसाद से पूछें कि कौन है तेजप्रताप।

पटना। छात्र राजद के प्रदेश अध्यक्ष पद से आकाश यादव को हटाने के बाद तेजप्रताप यादव की टिप्पणी से नाराज प्रदेश राजद अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि हू इज तेजप्रताप। मैं किसी तेजप्रताप को नहीं जानता। मैं लालू प्रसाद को जानता हूं। वे मेरे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को जानता हूं।

दल में हिटलर जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं है। संविधान से बाहर जाकर काम नहीं करता। हमने किसी को हटाया नहीं है, बल्कि छात्र राजद का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है, जो पद खाली था। राजद ही ऐसा दल है जिसमें जरूरत के अनुसार कार्रवाई होती है। पार्टी से नाराजगी के सवाल पर कहा कि शहर में नहीं था, इसलिए कार्यालय नहीं आ रहा था। कार्यालय आने पर सभी विधायकों का सम्मान होता है। लेकिन, जिन विधायकों ने तेजस्वी को नेता प्रतिपक्ष बनाया है, वह संवैधानिक पद है और उसका सम्मान जरूरी है। अन्य लोगों को तेजस्वी की बराबरी नहीं करनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष भविष्य का सीएम उम्मीदवार माना जाता है।

तेजप्रताप ने कहा- मेरे पिता से पूछें, कौन हूं मैं

प्रदेश राजद अध्यक्ष जगदानंद सिंह से नाराज तेजप्रताप ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें (प्रदेश अध्यक्ष) जाकर मेरे पिता (लालू प्रसाद) से पूछना चाहिए कि कौन हूं मैं। वह पत्रकारों द्वारा राजद प्रदेश अध्यक्ष द्वारा हू इज तेजप्रताप कहे जाने से संबंधित सवाल पूछे जाने पर यह बात कही। तेजप्रताप ने कहा कि आकाश यादव को छात्र राजद के प्रदेश अध्यक्ष से असंवैधानिक तरीके से हटाया गया है। बिना नोटिस दिए किसी को हटाया नहीं जा सकता। जरूरत हुई तो इस मसले पर कोर्ट तक जाएंगे। लंबी लड़ाई का शंखनाद करते हुए कहा कि वे इस मसले पर चुप नहीं बैठने वाले हैं। प्रदेश अध्यक्ष संविधान विरोधी काम कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर आरोप लगाया कि जिस प्रवासी सलाहकार के इशारे पर पार्टी चल रही है, वो हरियाणा में अपने परिवार से किसी को सरपंच नहीं बना सकता है। तंज कसा कि वह क्या खाक मेरे अर्जुन (तेजस्वी) को मुख्यमंत्री बनवा सकता है। वह प्रवासी सलाहकार सिर्फ लालू परिवार और राजद में मतभेद पैदा कर सकता है।

मप्र को मिला सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

भोपाल (एजेंसी)। मप्र पर्यटन को नई दिल्ली के ले मेरिडियन होटल में आयोजित आईटीसीटी, बी2बी इंटरनेशनल टूरिज्म एक्सपो एंड कॉन्क्लेव-2021 के 7वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव और पारिस्थितिकी पर्यटन राज्य और पर्यटन विपणन अभियान के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव पर्यटन एवं जनसंपर्क शव शेखर शुक्ला ने पुरस्कार प्रदान किए और दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की।

बेस्ट वाइल्ड लाइफ एंड इको टूरिज्म का अवार्ड डिप्टी डायरेक्टर, मपी टूरिज्म युवराज पडोले ने, और बेस्ट टूरिज्म मार्केटिंग कैंपेन का अवार्ड डिप्टी डायरेक्टर, एमपी टूरिज्म दीपिका रॉय चौधरी ने प्राप्त किया। मप्र मृद्ध वन्य जीवन से परिपूर्ण है। यहां 77 हजार 700 वर्ग किलोमीटर के वन क्षेत्र में 11 राष्ट्रीय उद्यानों और 24 वन्यजीव अभयारण्यों के साथ

कई वन्यजीव हॉट स्पॉट हैं। 526 की अधिकतम बाघ संख्या वाले मप्र के टाइगर स्टेट को भी हाल ही में द लेपर्ड स्टेट और घड़ियाल स्टेट का दर्जा मिला है, जो वन्य जीव संरक्षण के प्रयासों को दर्शाता है।

राज्य पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिए, पर्यटन विभाग ने ओरछा सांस्कृतिक उत्सव, मांडू उत्सव, जल महोत्सव, गो हेरिटेज रन, साइकिल सफारी और एलीफेंट सफारी जैसे विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इसने बफर में सफ र, इंतजार आपका, इंतजार खत्म हुआ, मानसून मैजिक, सब कुछ जो दिल चाहे, आदि जैसे सोशल मीडिया कैंपेन का भी आयोजन किया है। कार्यक्रम में युवराज पडोले ने मप्र के पर्यटन आकर्षणों और वन्य जीव सफ री, साहसिक गतिविधियों, वाटर स्पोर्ट्स, रिस्पांसिबल टूरिज्म, वेलनेस और माइंडफुल टूरिज्म आदि पहलों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति भी दी।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से शुक्रवार को पर्यटन, संस्कृति, अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

दतिया नगर हुआ शिवमय

गृह मंत्री पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं विसर्जन कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शुक्रवार को दतिया में पिछले चार दिनों से चल रहे पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पूरा दतिया नगर शिवमय में हो गया है।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने शुक्रवार सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर पार्थिव शिवलिंग बना रही महिला-पुरुष श्रृद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। वे पार्थिव शिवलिंग विसर्जन संग्रह स्थल बग्गीखाना भी पहुंचे। उन्होंने विभिन्न वार्डों में पार्थिव शिवलिंग बनाकर विसर्जन के लिए लाने वाली टोलियों के बीच पहुंचकर सभी का उत्साहवर्धन किया। शहर के विभिन्न वार्डों से महिला-पुरूष श्रृद्धालुओं की टोलियां ढोल, नगाड़ों के साथ नाचते हुए पूरे जोश और भक्तिभाव से अपने-अपने शिवलिंग लेकर बग्गीखाना पहुंची। विसर्जन के लिए पार्थिव शिवलिंग बग्गीखाना से पहूज नदी उनाव के लिए ले जाए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता सुरेंद्र बुधौलिया, पूर्व विधायक डॉ. आशाराम अहिरवार और गोविन्द ज्ञानानी, बल्ले रावत, डॉ. सलीम कुरैशी, डॉ. राजू त्यागी, रजनी पुष्पेन्द्र रावत एवं अन्य जन-प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

शुक्रवार को दिल्ली प्रवास के दौरान राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट की। इस दौरान राजपूत ने रक्षा मंत्री के समक्ष सागर जिले में डिफेंस की फैक्टरी लगाने की मांग रखी। उनके साथ उज्जैन से पूर्व विधायक वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र भारती भी मौजूद थे।

जनआशीर्वाद यात्रा पर आए केंद्रीय मंत्री ने धर्मगुरुओं, प्रबुद्धजनों और साहित्यकारों से की भेंट

गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठा रही है मोदी सरकार की योजनाएं : डॉ. खटीक

भोपाल (एजेंसी)।

नरेन्द्र मोदी जब देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि यह सरकार गरीबों को समर्पित है। आज केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की सारी योजनाएं गरीबों के कल्याण को समर्पित हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, सौभाग्य योजना, उजाला योजना और आयुष्मान भारत जैसी कितनी ही योजनाएं गरीब परिवारों के जीवन स्तर को ऊपर उठा रही हैं। यह बात केंद्रीय शुक्रवार को मंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक ने भोपाल में जनआशीर्वाद यात्रा के दौरान प्रभुनगर कमेटी हॉल में अनुसूचित जाति वर्ग द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कही।

केंद्रीय मंत्री श्री खटीक ने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार करते समय प्रधानमंत्री ने प्रत्येक समाज और वर्ग का ध्यान रखा। पहली बार केंद्र सरकार में 11 महिलाओं, ओबीसी के 27 तथा एससी के 12 मंत्रियों को शामिल किया गया, लेकिन विपक्ष ने दोनों ही सदनों में नए मंत्रियों का परिचय नहीं होने दिया। इसलिए ये मंत्री जनआशीर्वाद यात्रा के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं। यात्रा के दौरान श्री खटीक के साथ प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, रणवीर सिंह रावत, सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर, महेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, विधायक रामेश्वर शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र

कार्यक्रम के दौरान भोपाल सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित विभिन्न समाज की बहनों ने तीन तलाक समाप्त करने, कश्मीर से धारा 370 हटाने, उज्जवला एवं अन्य योजनाएं लागू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम रक्षासूत्र श्री खटीक को बांधा।

जन आशीर्वाद यात्रा के तहत केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र खटीक ने राजधानी भोपाल के कई क्षेत्रों का भ्रमण किया।

पं. दीनदयाल को दी पुष्पांजलि, संत हिरदाराम की कुटिया के किए दर्शन

केंद्रीय मंत्री डॉ. खटीक का शुक्रवार सुबह भाजपा की भोपाल जिला इकाई द्वारा वीआईपी गेस्ट हाउस में स्वागत किया गया। इसके बाद डॉ. खटीक ने लालघाटी चौराहे पर स्थापित पं दीनदयाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। केंद्रीय मंत्री संत हिरदाराम की कुटिया पर पहुंचे और दर्शन किए। डॉ. खटीक शासकीय विद्यालय नयापुरा में बनाए गए टीकाकरण केंद्र पहुंचे और आमजनों से अधिक से अधिक वैक्सीनेशन कराने का आह्वान किया। श्री खटीक ने गुफा मंदिर के दर्शन करके महंत रामप्रवेश दास जी का सम्मान कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान 101 ब्राह्मणों ने स्वति वाचन किया। कैंसर हॉस्पिटल के सामने डॉक्टरों ने उनका स्वागत किया। इसके उपरांत श्री खटीक गुरूनानक टेकरी पहुंचे और गुरूद्वारे में दर्शन किए। गुरुद्वारे में धर्मगुरूओं ने कृपाण भेंटकर उनका स्वागत किया।

पं ओम मेहता के निवास पर किया भोजन

वीरेन्द्र कुमार खटीक का कार्यकर्ताओं द्वारा शहीद गेट, रॉयल मार्केट, जीपीओ के सामने एवं जिला कार्यालय में स्वागत किया गया। तत्पश्चात श्री खटीक का चार बत्ती चौराहा पर मुस्लिम समाज द्वारा स्वागत किया गया। श्री खटीक ने कर्फ्यू वाली माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत श्री खटीक लोकतंत्र सेनानी पं ओम मेहता के निवास पर पहुंचे व परिजनों से भेंट के बाद भोजन किया।

केंद्र सरकार की आज की योजनाएं आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होने पर भी की जाएगी याद

भोपाल । नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा जो योजनाएं आज जनता के हित के लिए बनाई जा रही है उन्हें आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होने पर भी याद किया जाएगा। यह बात केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र खटीक ने शुक्रवार को भोपाल में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता के लिए आज जो केंद्र सरकार द्वारा उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना और अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, वही काफी कारगर हैं और इनको आजादी के सौ वर्ष पूरे होने पर भी याद किया जाएगा। जन आशीर्वाद यात्रा निकालने को लेकर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री संसद में सभी नए मंत्रियों का परिचय कराना चाहते थे, किंतु विपक्ष के रवैए के चलते संभव नहीं हो सका, विपक्ष नहीं चाहता था ओबीसी, एससी, एसटी एंव महिला वर्ग के मंत्रियों का परिचय सदन में हो तो पीएम ने सभी मंत्रियों की सूची पटल पर रख दी और जन आशीवार्द यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया।

ओबीसी बिल पास होने से इस वर्ग में खुशी

मंत्री डॉ. वीरेन्द्र खटीक ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में संसद में ओबीसी वर्ग केहितों के लिए लाए गए बिल को लोकसभा में पास होने से इस वर्ग के लोगों में काफी उत्साह है और हमने वर्ग के लोगों को विश्वास दिलाया है कि यह बिल राज्यसभा में भी पास होगा। इस बिल को लेकर उन्होंने कहा कि विपक्ष दायित्व से पीछे हटकर हंगामा कर रहा है।

विभाजन विभीषिका दिवस की घोषणा इसलिए

आजादी के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाने की बात करते हुए मंत्री डॉ. वीरेन्द्र खटीक ने कहा कि पीएम मोदी काफी संवेदनशील व्यक्ति है और उन्होंने माना कि आजादी के बाद इस विभीषिका का दर्द हजारों परिवारों ने भोगा है उसे महसूस करते हुए यह दिवस मनाने की घोषणा की है।

करणपुरा में 25 लाख रुपए की लागत से बनेगा सामुदायिक केंद्र : पटेल

हरदा के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर किया जनसंपर्क

भोपाल (एजेंसी)। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने शुक्रवार को हरदा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों से मुलाकात की।

करणपुरा में कृषि मंत्री ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वहां पर 25 लाख से सामुदायिक केंद्र का निर्माण किया जाएगा। श्री पटेल ने सघन जनसंपर्क की शुरुआत नीम गांव के प्रसिद्ध जम्भेश्वर भगवान के दर्शन से की। इसके बाद कार्यकर्ताओं और

लोगों से मिलते हुए करनपुरा के प्रसिद्ध राधाकृष्ण मंदिर पहुंचे। महंत सुरेंद्र गिरी महाराज की समाधि पर पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद राधाकृष्ण मंदिर में भगवान शिव, राधाकृष्ण और दुर्गा देवी की पूजा-अर्चना की। कृषि मंत्री ने कहा कि आपकी समस्याओं का हल आपके घर पर होगा। इसके लिए अभियान शुरू करेंगे। ग्रामवासियों को पात्रता अनुसार प्रत्येक प्रमाण-पत्र व सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। करणपुरा में गौशाला की जगह गौ- अभ्यारण्य बनेगा, ताकि रोड पर गाय न दिखे। ग्राम में लोगों को रोजगार मिले, इसलिए गौ आधारित उद्योग विकसित करेंगे।

अरविंद मेनन विवाह बंधन में बंधे, शिवराज ने दी बधाई

भोपाल । भाजपा के पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री अरविंद मेनन शुक्रवार को विवाह बंधन में बंध गए। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पार्टी नेताओं ने उन्हें बधाई दी हैं। मेनन ने ट्वीट के जरिए बताया कि उन्होंने केरल के गुरुवायुर मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर शुक्रवार को गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने मेनन को ट्वीट के जरिए बधाई देते हुए लिखा है कि भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री अरविंद मेनन को परिणय सूत्र में बंधने पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और ईश्वर से सुखी और सफल वैवाहिक जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

राहत कार्यों में पूरी ताकत से लगा है प्रशासन : शिवराज

सीएम ने मीडिया से चर्चा में कहा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ग्वालियर-चंबल संभाग में आई बाढ़ की महाविभीषिका से जनजीवन प्रभावित हुआ है। पीड़ित व्यक्तियों की सहायता के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित 12 विभागीय मंत्रियों की टॉस्क फोर्स ने प्रभावित क्षेत्रों में उतरकर राहत और पुनर्वास का मोर्चा संभाला है। प्रशासन पूरी ताकत से राहत कार्यों में लगा है। राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण का कार्य जारी है। प्रभावितों में राहत वितरण तेजी से चल रहा है। राशन और अनाज का प्रबंधन किया गया है। आवास की व्यवस्था भी हो रही है। फसलों के नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। क्षति का आंकलन होना शेष है। बाढ़ में ध्वस्त मकान के लिए एक लाख 20 हजार की राशि का वितरण आरंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में मीडिया के प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनर्वास के कार्य भी जारी है। श्योपुर जिले में बिजली की व्यवस्था को पुनर्स्थापित कर दिया गया है। अब केवल पांच गांवों में बिजली पुनर्स्थापन का कार्य शेष है।

मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष ने किया भाजपा मीडिया विभाग की बैठक को संबोधित

षड्यंत्रों का तथ्यों और तर्कों के साथ मुकाबला करें

भोपाल (एजेंसी)। हमारे विरोधी मैदान में नहीं सिर्फ सोशल मीडिया पर लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके नेता रोज कोई न कोई षड्यंत्र रचकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं। इसलिए हमारी मीडिया विभाग की टीम को तथ्यों और तर्कों के साथ कांग्रेस एवं अन्य विरोधियों के षड्यंत्रों का मजबूती से जवाब देना चाहिए।

इसके साथ ही हमें केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाने का भी काम करना है। संगठन और सरकार के समन्वय के साथ पार्टी को मजबूत करें। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश सह मीडिया प्रभारियों एवं प्रवक्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत ने भी अपना मार्गदर्शन उदबोधन दिया। मुख्यमंत्री

शुक्रवार को भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश सह मीडिया प्रभारियों एवं प्रवक्ताओं की बैठक को संबोधित करते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ।

श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने सभी वर्गों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं और इतने विकास कार्य किए हैं जितनी आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किए हैं। हमारे पास बताने के लिए अनेक उपलब्धियां हैं, जिसके आधार पर हम आक्रामक होकर अपना पक्ष रखें। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने नव नियुक्त सह मीडिया प्रभारियों एवं प्रवक्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि हमारी मीडिया विभाग की टीम सभी अनुभवी और अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। हम सभी को टीम भावना के साथ काम करना है। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी पार्टी ने आपको सौंपी है, इसके लिए आप लगातार सक्रिय रहें और नियमित अध्ययन करें। उन्होंने विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जाने वाले झूठ को दृढ़ता के साथ जवाब देने की बात कही। प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत ने बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि संवाद, संबंध, समन्वय और तारतम्यता के साथ काम करने की बात कही। प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर ने मीडिया विभाग की ओर से मुख्यमंत्री, प्रदेशाध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन महामंत्री का स्वागत किया। बैठक का संचालन प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने किया। इस अवसर पर पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश सह मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्तागण उपस्थित थे।

कांग्रेस नेताओं ने किया राजीव गांधी का स्मरण

भोपाल, (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया है।

वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट में लिखा है कि आधुनिक भारत के शिल्पकार, संचार क्रांति के जनक, देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर शत शत नमन। देश के विकास, प्रगति, उन्नति में किया गया, उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने ट्वीट संदेश में कहा है कि वे संचार क्रांति के जनक, युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, पंचायती राज की स्थापना करने वाले, देश के 'अभूतपूर्व' प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन करते हैं।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव और अन्य प्रदेश पदाधिकारियों ने भी श्री गांधी को नमन करते हुए उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने यहां हबीबगंज क्षेत्र में श्री गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेश पचौरी और पीसी शर्मा भी मौजूद थे।

राजीव गांधी की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में दी गई पुष्पांजलि

भोपाल । पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस नेताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि दी और उनके प्रेरणादाई कृतित्वों का स्मरण किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने स्वर्गीय गांधी का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं, जिसे उनके जैसा महान सपूत देश की सेवा के लिए मिला था। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि राजीव गांधी ने देश की अस्मिता के लिए अपना बलिदान दिया। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजीव सिंह, उपाध्यक्ष सैयद साजिद अली, पूर्व महापौर दीपचंद यादव ने स्वर्गीय श्री गांधी की जनहितैषी, देशहितैषी कार्यशैली पर अपने विचार साझा किए।

रक्षाबन्धन एक हिन्दू त्यौहार है जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बन्धियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है।

रक्षाबंधन

अटूट विश्वास का बंधन

हम सभी सामाजिक प्राणी है, जो एक–दूसरे से जुड़े रहने के लिए स्वेच्छा से रिश्तों के बंधन में बंधते है। ये बंधन हमारी स्वतंत्रता का हनन करने वाले बंधन नहीं अपितु प्रेम के बंधन होते हैं, जिसे हम जिंदादिली से जीते और स्वीकारते हैं।
हमारे समाज में हर रिश्ते को कोई न कोई नाम दिया गया है। ठीक उसी तरह आदमी और औरत के भी कई रिश्ते हो सकते हैं, मगर उन रिश्तों में सबसे प्यार रिश्ता भाई–बहन का रिश्ता होता है। यह रिश्ता हर रिश्ते से मीठा और प्यारा रिश्ता होता है क्योंकि इस रिश्ते में मिठास भरता है भाई–बहन का एक–दूसरे के प्रति प्रेम व विश्वास। यह विश्वास प्रतीक रूप में भले ही रेशम की कच्ची डोर से बँधा होता है परंतु दोनों के मन की भावनाएँ प्रेम की एक पक्की डोर से बँधी रहती है, जो रिश्तों की हर डोर से मजबूत डोर होती है। यही प्रेम रक्षाबंधन के दिन भाई को अपनी लाड़ली बहन के पास खीच लाता है। रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं बल्कि हमारी परंपराओं का प्रतीक है, जो आज भी हमें अपने परिवार व संस्कारों से जोड़े रखे हैं। रक्षाबंधन बहन की रक्षा की प्रतिबद्धता का दिन है, जिसमें भाई हर दुख–तकलीफ में अपनी बहन का साथ निभाने का वचन देता है। यही वह वचन है, जो आज के दौर में भी भाई–बहन को विश्वास के बँधन से जोड़े हुए है।
यही वह त्योहार है, जिसे बहन अपने घर अर्थात अपने मायके में मनाती है। तभी तो हर रक्षाबंधन पर बहन जितनी बेसब्री से अपने भाई के आने का इंतजार करती है उतनी ही शिद्दत से भाई भी अपनी बहन से मिलकर उसका हालचाल जानने को उसके पास खिंचा चला आता है और भाई और बहन का मिलन होता है, तब सारे गिले–शिकवे दूर होकर माहौल में बस हँसी–ठिठौली के स्वर ही गुँजायमान होते हैं, जो खुशियों का पर्याय होते हैं। आप भी इस त्योहार को प्यार के साथ बनाएँ तथा इस दिन अपनी बहन को उसकी खुशियाँ उपहारस्वरूप दें। याद रखें यह रिश्ता, जितना मजबूत और प्यारा रिश्ता है उतना ही कमजोर भी इसलिए रिश्ते की इस डोर को सदैव मजबूती से थामे रखें।

सात वचन से बँधी सात राखियाँ

यह भारत में ही संभव है कि एक महीन रेशम डोरी से दिल की अनंत गहराइयों में छुपा प्यार अभिव्यक्त हो सकें। भाई और बहन के अनमोल रिश्ते को समर्पित यह त्योहार मन में उमंग की सुरीली घंटियाँ बजा देता है। यूँ भी सावन मास सौन्दर्य का भीना मौसम माना गया है। यह मौसम साज–श्रृंगार और प्यार–अनुराग की कलाभिव्यक्तियों से आपुरित होता है। यही वजह है कि कलाई पर बँधने वाली राखी का सौन्दर्य रिश्ते की सादगी पर जीत जाता है। इस मोहक मनभावन त्योहार पर इस बार बाँधें कुछ ऐसी राखियों को जो हर भाई–बहन के जीवन जीने का अंदाज बदल दें – यह राखी है प्यार, विश्वास, साथ, मुस्कान, सम्मान, स्वतंत्रता और क्षमा की।

प्यार की राखी– यह राखी सलमा–सितारें और मोतियों से नहीं सजी है। यह राखी, अपने मन के आँगन में खिलने वाले प्यार के मासूम फूल से बनी है। इसे बाँधने और बँधाने की यही शर्त है कि बहन और भाई दोनों यह कसम खाए कि उनका प्यार कभी नहीं बदलेगा। हर मौसम, हर समय, हर परिस्थिति में उनके प्यार का फूल तरोताजा रहेगा। चाहे बहन पराए आँगन की तुलसी बन जाए, चाहे रूनझुन पायल छनकाती दुल्हन, भाई ले आए। रिश्तों का सौन्दर्य और सादगी बनी रहे, बची रहे। दिल की गहराई में बसा प्यार निरंतर बढ़ता रहे, फलता–फूलता रहे। यह राखी इस मंगल त्योहार पर यही कसम चाहती है। दोनों के बीच महकते प्यार का फूल पैसों की तपिश से कभी ना मुरझा पाए।

विश्वास की राखी – यह राखी बड़ी महीन लेकिन मजबूत डोरी से बनी है। इस राखी की यही शर्त है कि विश्वास की रेशम डोर दुनिया के ताने–बाने में कभी ना उलझ पाए। यानी हर हाल में भाई का बहन के प्रति और बहन का भाई के प्रति विश्वास बरकरार रहे। इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि दोनों एक–दूसरे के प्रति विश्वास को टूटने नहीं देंगे। अकारण एकदूजे पर अविश्वास की काली परत चढ़ने नहीं देंगे। अगर किसी एक से विश्वास की दीवार चटकती भी है तो उसकी परिस्थिति को उदार मन से समझने का प्रयास करेंगे। इस राखी को बाँधते हुए कसम लें कि एकदूजे का विश्वास बनेंगेऔर उसे संजोए रखेंगे।

साथ की राखी – चाहे सारी दुनिया तुम्हारे विरुद्ध हो तुम्हारा भाई हमेशा तुम्हारे साथ है। यह अटूट सहारा देते शब्द सच्चे मन से हर बहन के अन्तर्मन में बैठे होने चाहिए। उसका यह भाव कि मेरा भाई है ना, और भाई का यह अहसास कि मेरी बहन सब संभाल लेगी,हर हाल में कायम रहे यही इस राखी को बाँधने की कोमल शर्त है। इस दुनिया में माँ और पिता के बाद भाई ही तो सच्चा निस्वार्थ साथ दे सकता है। देश का हर भाई अपनी बहन के साथ रहे एक अहसास बन कर, एक विश्वास बन कर तभी इस राखी की सार्थकता है।

रेशम डोरी में गूँथा प्यार

- छत की सीढ़ियों पर रूठकर बैठी एक नन्ही बहना। उसके इस रूठने से सबसे ज्यादा व्यथित अगर कोई है तो वह है उसका भाई। भोजन की थाली लेकर उसके पास जाने वाला पहला व्यक्ति होता है, उसका भाई।
- स्कूल से अपनी बहन को लेकर आता एक छोटा–सा भाई। भाई के छोटे लेकिन सुरक्षित हाथों में जब बहन का कोमल हाथ आता है तब देखने योग्य होता है, भाई के चेहरे से झलकता दायित्व बोध, उठते हुए कदमों में बरती जाने वाली सजगता और कच्ची–कच्ची परेशान आँखें। घर पर जो बहन भाई से ठुनकी–ठुनकी रहती होगी, बीच राह पर वही भोली–सी हिरनी हो जाती है।
- बच्चों का एक झुंड। खेल में मशगूल। तभी सबको लगी प्यास। भाई ने हमेशा की तरह छोटी बहन को आदेश दिया। नन्हे हाथों में जग और गिलास पकड़े टेढ़ी–मेढ़ी चाल से धीरे–धीरे आती है बहन और...और... धड़ाम!! सबके सामने भाई को मिली फटकार। बहन ने कोहनी छुपाते हुए, आँसुओं को रोकते हुए कहा – भाई ने नहीं भेजा था, मैं खुद गई थी पानी लेने।
- कक्षा पहली की नन्ही छात्रा अनुष्का को प्रिंसिपल ने ऑफिस में बुलाकर कहा – तुम्हारा छोटा भाई आशु क्लास में सो गया है उसे अपनी क्लास में ले जाओ...! अनुष्का की गोद में सोया है आशू और वह बोर्ड पर से सवाल उतार रही है।
- दूसरी की छात्रा श्रुति रोते हुए अपने बड़े भाई श्रेयस के पास पहुँची। कक्षा के बच्चे उसके नाम का मजाक उड़ाते हैं। उसे सूती कपड़ा कहते हैं। तीसरी कक्षा के बहादुर भाई ने कहा – छुट्टी के बाद सबके नाम बताना, सबको ठीक कर दूँगा। श्रुति आश्वस्त है अब। छुट्टी होने पर श्रेयस ने रोक लिया सब चिढ़ाने वाले बच्चों को। पहले तो बस्ते से धमाधम मारा–पीटी, फिर सब पर स्याही छिड़ककर बहन का हाथ पकड़कर भाग आया भाई। बहन खुश है, भाई ने बदला ले लिया। कल की कल देखेंगे।
- पहली बार कॉलेज जा रही थी बहन। भाई ने बाइक पर बैठाया और रास्ते में कहा – तू कब बड़ी हो गई मुझे तो वहीं दो चोटी वाली बस्ता घसीटकर चलने वाली और चॉक खाने वाली याद है। इतनी जल्दी तू बड़ी हो गई, पता ही नहीं चला।
- बहन बिदा हो रही थी लेकिन भाई धर्मशाला जल्दी खाली करने की चिंता में व्यंजनों के कढ़ाव – तपेले आदि उठा–उठा कर रख रहा था। बहन ने सुबकते हुए भाई को याद किया। भाई ने सब्जी–दाल से सने हाथों से ही बहन को गले लगा लिया।

बहन ने अपनी कीमती साड़ी को आज तक ड्रायक्लीन नहीं करवाया। वह कहती है, जब भी उस साड़ी पर सब्जी के धब्बे देखती हूँ। भाई का वह अस्त–व्यस्त रूप याद आ जाता है , मेरी शादी में कितना काम किया था भाई ने। भाई और बहन का रिश्ता मिश्री की तरह मीठा और मखमल की तरह मुलायम होता है। रक्षाबंधन का पर्व भाई–बहन के इसी पावन रिश्ते को समर्पित है। इसी त्योहार पर इस रिश्ते की मोहक अनुभूति को सघनता से अभिव्यक्त किया जाता है।

भारत में यदि आज भी संवेदना, अनुभूति, आत्मीयता, आस्था और अनुराग बरकरार है तो इसकी पृष्ठभूमि में इन त्योहारों का बहुत बड़ा योगदान है। जो लंबी डगर पर चिलचिलाती प्रचंड धूप में हरे–भरे वृक्ष के समान खड़े हैं। जिसकी घनी छाँव में कुछ लम्हें बैठकर व्यक्ति संघर्ष पथ पर उभर आए स्वेद बिंदुओं को सुखा सके और फिर एक शुभ मुस्कान को चेहरे पर सजाकर चल पड़े जिंदगी की कठिन राहों पर, जूझने के लिए।

रक्षाबंधन के शुभ पर्व पर बहनें अपने भाई से यह वचन चाहती हैं कि आने वाले दिनों में किसी बहन के तन से वस्त्र न खींचा जाए फिर कोई बहन दहेज के लिए जिंदा न जलाई जाए, फिर किसी बहन का अपहरण ना हो और फिर किसी बहन के चेहरे पर तेजाब न फेंका जाए। यह त्योहार तभी सही मायनों में खूबसूरत होगा जब बहन का सम्मान और भाई का चरित्र दोनों कायम रहे। यह रेशमी धागा सिर्फ धागा नहीं है। राखी की इस महीन डोरी में विश्वास, सहारा और प्यार गुंफित हैं और कलाई पर बँधकर यह डोरी प्रतिदान में भी यही तीन अनुभूतियाँ चाहती हैं। पैसा, उपहार, आभूषण, कपड़े तो कभी भी, किसी भी समय लिए–दिए जा सकते हैं लेकिन इन तीन मनोभावों के लेन–देन का तो यही एक पर्व है – रक्षाबंधन!

टी-20 विश्व कप के लिए टीम की रणनीति पर चर्चा शुरू

विराट कोहली की बीसीसीआई अधिकारियों के साथ बैठक

नई दिल्ली। भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है। यहां टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसमें दो टेस्ट खेले जा चुके हैं। फिलहाल भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट लीड्स में 25 अगस्त से शुरू होगा। विराट की अगुवाई में टीम इंडिया निश्चित रूप से यह सीरीज जीतना चाहेगी।

मगर इन सब के बीच भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बीसीसीआई के अधिकारियों के साथ विश्वकप के रोडमैप पर चर्चा शुरू कर दी है। बीसीसीआई ने एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कप्तान विराट कोहली के साथ आगामी टी-20 विश्वकप को लेकर बैठक की। बैठक में तमाम पहलुओं पर ध्यान दिया गया। अधिकारी ने कहा, हां, बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने भारतीय कप्तान कोहली से मुलाकात की, लेकिन चर्चा के बारे में विस्तार से बताना उचित नहीं होगा। टी-20 विश्वकप के लिए बहुत कम समय बचा है। आईपीएल के बाद सीधे विश्वकप है। बैठक में इसी को लेकर खास चर्चा हुई। बता दें कि टी-20 विश्व कप का आयोजन 17 अक्तूबर से 14 नवंबर तक ओमान और यूएई (दुबई, अबुधाबी और शारजाह) में होगा। हाल ही में आईसीसी ने टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल जारी किया था। इसके मुताबिक, भारत टी-20 विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 24 अक्तूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में होने वाला था, लेकिन कोरोना की स्थिति के कारण आईसीसी ने इसे यूएई में स्थानांतरित कर दिया। मगर भारत इस टूर्नामेंट का मेजबान बना रहेगा।

इंग्लैंड की टीम अच्छी लय हासिल कर रही हैं: कप्तान इयोन मोर्गन

लंदन। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि उनकी टीम अच्छी लय हासिल कर रही है जिससे पिछली बार के उप विजेता को आगामी टी20 विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। मोर्गन की टीम ने 2010 टी20 विश्वकप खिताब जीता था जबकि पिछले 2016 के चरण के फाइनल में वेस्टइंडीज से हार गयी थी। उन्होंने कहा कि टीम पिछले दो वर्षों में जिस तरह से खेल रही है, उउसके लिये इसी लय में खेलते रहना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारी सबसे बड़ी मजबूती निरंतरता है जिससे हम पिछले दो वर्षों से खेल रहे हैं। मोर्गन ने कहा, मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट में खेल बड़ी तेजी से बदल सकता है और हमारे ग्रुप में काफी प्रतिभाशाली टीमें हैं, मुझे लगता है कि हमारे लिए प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण होगा। यूएई की परिस्थितियों के अनुसार ढलना उनके लिये अहम कारकों में से एक होगा, हालांकि टीम 2015 के बाद से वहां कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेली है। मोर्गन ने कहा, मुझे लगता है कि हम अच्छी लय हासिल कर रहे हैं और इसमें हमारे लिये सबसे अच्छी चीज है कि हम लगातार बेहतर होने की कोशिश कर रहे हैं और सीख भी रहे हैं।

विवाह बंधन में बंधे तेज गेंदबाज संदीप शर्मा

सनराइजर्स हैदराबाद ने दी बधाई

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण अगले महीने से यूएई में शुरू होने से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने अपनी जिंदगी की नई पारी शुरू कर दी है। संदीप ने अपनी गर्लफ्रेंड नताशा सात्विक से शादी कर ली है।

यह जानकारी सनराइजर्स हैदराबाद के ट्विटर हैंडल के जरिए दी गई। सनराइजर्स हैदराबाद ने संदीप शर्मा और नताशा सात्विक की शादी की फोटो शेयर करते हुए लिखा, एसआरएच फैमिली में एक खास शख्स की एंट्री, मिस्टर और मिसेज शर्मा को बधाई एक लंबी साझेदारी के लिए। संदीप और नताशा साउथ इंडियन वेडिंग आउटफिट में एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट करते हुए नजर आ रहे हैं। जहां संदीप ने सफेद रंग का धोती कुर्ता पहना हुआ है, वहीं नताशा ने ऑरेंज-रेड शेड की कांजीवरम साड़ी पहनी हुई है। पारंपरिक गहनों और गजरे में उनका लुक परफेक्ट लग रहा है। संदीप ने भारत में हुए आईपीएल 2021 के पहले चरण में हैदराबाद की तरफ से महज 3 मुकाबलों में शिरकत की है, जिसमें उन्होंने 109 रन लुटाकर मात्र एक विकेट हासिल किया था। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शादी के बाद उनकी किस्मत कितनी चमकती है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने दुबई में शुरू की ट्रेनिंग

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचने के बाद छह दिनों तक निर्धारित क्वारंटाइन पीरियड पूरा करने के पश्चात चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण को लेकर दुबई में ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

आईपीएल: 19 सितंबर को होगी मुंबई इंडियंस से भिड़ंत

कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, सुरेश रैना, दीपक चाहर और रॉबिन उथप्पा सहित टीम के अन्य सदस्य गत 13 अगस्त को दुबई पहुंच गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने टीम के अभ्यास सत्र की तस्वीरें शेयर की। आईपीएल 2021 को मई में फ्रेंचाइजों में कोरोना वायरस के मामले सामने आने के बाद स्थगित किया था। अब इसके दूसरे चरण की शुरूआत 19 सितंबर से होगी जहां दुबई में चेन्नई का सामना मुंबई इंडियंस के साथ होगा। आईपीएल के 13 मैच दुबई, 10 शारजाह और आठ अबु धाबी में होंगे।

संजू और भतेरी को भी रजत से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली। भारत की बिपाशा को 76 किग्रा वर्ग के फाइनल में गुरूवार को हारकर रूस के उफा में चल रही जूनियर विश्व कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि दो अन्य भारतीय महिला पहलवानों संजू देवी ने 62 किग्रा और भतेरी ने 65 किग्रा के फाइनल में जगह बना ली। लेकिन दोनों भारतीय पहलवानों को फाइनल में हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। संजू को फाइनल में रूसी पहलवान एलीना कसाबियेवा के खिलाफ 0-10 से हार का सामना करना पड़ा जबकि भतेरी को इरिना रिंगासी ने पराजित किया।

मेदवेदेव वेस्टर्न ओपन के क्वॉर्टर फाइनल में

जापान की नाओमी ओसाका बाहर

मेसन। शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस के दानिल मेदवेदेव वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस चैम्पियनशिप के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गए जबकि जापान की नाओमी ओसाका हारकर बाहर हो गई।

नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और रफेल नडाल की गैर मौजूदगी में 2019 के चैम्पियन मेदवेदेव की राह आसान हो गई थी। उन्होंने ग्रिगोर दिमित्रोव को 6 -3, 6-3 से हराया। ओलंपिक चैम्पियन तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुइडो पेला को 6-2, 6-3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं फ्रेंच ओपन विजेता दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास ने लोरेंजो सोनेगो 5-7, 6 -3, 6-4 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त ओसाका को हालांकि 76वीं रैंकिंग वाली जिल टिचमैन ने 3 -6, 6 -3, 6 -3 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त एश्ले बार्टी ने गत चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका को 6 -0, 6-2 से मात दी।

संक्षिप्त खबर

सचिन से नहीं, सहवाग और लारा से डर लगता था: मुरलीधरन

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें सचिन तेंदुलकर को गेंदबाजी करने में डर नहीं लगता था क्योंकि वह उन्हें वीरेंद्र सहवाग या ब्रायन लारा जैसा नुकसान नहीं पहुंचाते थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले मुरलीधरन ने कहा कि वर्तमान बल्लेबाजों में भारत के विराट कोहली और पाकिस्तान के बाबर आजम उनका बेहतर सामना कर सकते थे। मुरलीधरन ने कहा, सचिन के लिए गेंदबाजी करने में डर नहीं लगता था क्योंकि वह आपको बहुत नुकसान नहीं पहुंचाते थे। वह सहवाग के विपरीत थे जो आपको आहत कर सकता है। वह (सचिन) अपना विकेट बचाये रखते थे। वह गेंद को अच्छी तरह से समझते थे और वह तकनीक जानते थे। टेस्ट क्रिकेट में 800 विकेट लेने वाले गेंदबाज मुरलीधरन ने कहा, अपने करियर के दौरान मुझे लगा कि ऑफ स्पिन सचिन की मामूली कमजोरी है। लेग स्पिन पर वह करारे शॉट जमाते थे लेकिन ऑफ स्पिन खेलने में उन्हें थोड़ी परेशानी होती थी क्योंकि मैंने उन्हें कई बार आउट किया। इसके अलावा कई ऑफ स्पिनरों ने उन्हें कई बार आउट किया।

जम्मू और कश्मीर क्रिकेट असोसिएशन ने परवेज पर लगाया चोरी का आरोप

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर क्रिकेट असोसिएशन ने अनुभवी ऑलराउंडर परवेज रसूल के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। परवेज रसूल पर आरोप है कि उन्होंने एक पिच रोलर चुराया था। इस ऑफ स्पिन बोलिंग ऑलराउंडर के खिलाफ लगे आरोप में, जम्मू-कश्मीर क्रिकेट असोसिएशन ने परवेज रसूल से कहा है कि या तो वे पिच रोलर लौटाएं या फिर कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें। बयान में कहा गया है, आपके पास असोसिएशन की संपत्ति है। विश्वास तोड़ने के बदले कोई भी कड़ा कदम उठाने, जिसमें की पुलिस कार्रवाई भी शामिल हो सकती है, आपको निर्देश दिया जाता है कि एक सप्ताह में असोसिएशन का सामान लौटा दें वर्ना हम कोई भी कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र होंगे। हालांकि जम्मू-कश्मीर के भारत के लिए खेलने वाले पहले क्रिकेटर ने इन आरोपों को खारिज किया है।

सैफ चैंपियनशिप के पहले मैच में बांग्लादेश से भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली। सात बार का चैंपियन भारत सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत तीन अक्टूबर को माले (मालदीव) में बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारतीय टीम इसके बाद राउंड रोबिन लीग मैचों में श्रीलंका (छह अक्टूबर), नेपाल (आठ अक्टूबर) और मेजबान मालदीव (11 अक्टूबर) के खिलाफ खेलेगी। राउंड रोबिन लीग के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों के बीच 13 अक्टूबर को फाइनल खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत एक अक्टूबर को होगी। पहले दिन मालदीव और नेपाल तथा श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मैच खेले जाएंगे। भारत 2018 में बांग्लादेश में आयोजित पिछले टूर्नामेंट में मालदीव से 1-2 से हारकर उप विजेता रहा था।

सीरीज से पहले 40-50 दिनों की तैयारी राहुल की सफलता का राज: श्रीधर

लंदन। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच आर. श्रीधर का कहना है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले 40-50 दिनों तक की गई तैयारी को लोकेश राहुल की सफलता का श्रेय जाता है। श्रीधर ने कहा, राहुल चौथे ऐसे ओपनर थे जो इस सीरीज में शामिल थे। लेकिन उनकी तैयारी अलग थी। मैंने उसे बहुत थ्रो डाउन खेलाया है। किस तरह खेलना है और बल्ले का एंगल किस तरह रखना है, उन्होंने हर चीज का विश्लेषण किया है और 40-50 दिनों तक अच्छे से तैयारी की है। इसी कारण वह उस तरह बल्लेबाजी कर पा रहे हैं जिस तरह करते हैं। राहुल ने ओपनर के रूप में इंग्लैंड में रन बनाने का तरीका खोजा।

आईपीएल में नहीं खेलेंगे रिचर्डसन व मेरेडिथ

नाथन एलिस के पंजाब टीम में शामिल होने की चर्चा

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण का आगाज 19 सितंबर से यूएई में होने जा रहा है। इसी बीच पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। झाय रिचर्डसन और रिले मेरेडिथ आईपीएल 2021 के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे।

रिपोर्ट की माने तो इन दो खिलाड़ियों के बदले केएल राहुल की अगुवाई वाली इस टीम ने ऑस्ट्रेलिया नाथन एलिस को अपनी टीम में शामिल किया है, वहीं दूसरे खिलाड़ी के रूप में किसे चुना जाए इस पर चर्चा जारी है। बता दें, एलिस को गुरुवार को जारी हुई ऑस्ट्रेलिया की टी 20 विश्वकप टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर जगह दी गई थी।

इससे पहले खबर आई थी कि एलिस को आईपीएल की तीन फ्रेंचाइजी साथ रखना चाहती थी लेकिन उन्होंने गुरुवार की रात एक फ्रेंचाइजी के साथ करार कर लिया है। एलिस ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच से ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने महमुदुल्लाह, मेहदी हसन और मुस्ताफिजुर रहमान को आउट किया था और वह पहले क्रिकेटर बने थे जिसने टी 20 डेब्यू में हैट्रिक लिया है। एलिस, ब्रेट ली और एश्टन एगर के बाद तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बने जिन्होंने टी 20 मुकाबले में हैट्रिक लेने का कारनामा किया है।

मनिका-साथियान ने बुडापेस्ट में जीता मिश्रित युगल खिताब

बुडापेस्ट। भारत की टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और जी साथियान ने शुक्रवार को यहां डब्ल्यूटीटी कंटेंडर चैम्पियनशिप में हंगरी के डोरा मादारास्ज और नंडोर एस्केकी की जोड़ी को 3-1 से हराकर मिश्रित युगल खिताब अपने नाम किया।

भारतीय जोड़ी ने हंगरी की जोड़ी को 11-9 9-11 12-10 11-6 से हराया। यह मनिका और साथियान के लिये यादगार जीत रही क्योंकि दोनों एक साथ मिश्रित युगल नहीं खेलते हैं। मनिका ने अनुभवी खिलाड़ी शरत कमल के साथ

एशियाई खेलों का कांस्य पदक जीता था और हाल में यह जोड़ी एक साथ तोक्यो ओलंपिक में खेली थी। एकल रैंकिंग में 60वें स्थान पर काबिज मनिका ने यहां सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं 150वीं रैंकिंग पर काबिज एक अन्य भारतीय श्रीजा अकुला ने भी प्रभावित किया जिन्हें मनिका ने क्वॉर्टरफाइनल में हराया।

एशियन यूथ बॉक्सिंग में पंच लगाएंगे अमर

भोपाल। मध्य प्रदेश बॉक्सिंग अकादमी के बॉक्सर अमन सिंह विष्ट का चयन एशियन यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह चैंपियनशिप दुबई में 21 से 31 अगस्त के बीच खेली जाएगी। अमन का 92 किलो ग्राम कैटेगिरी में सिलेक्शन हुआ है। वे शुक्रवार को टीम के साथ दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई के लिए रवाना हुए। मध्यप्रदेश बॉक्सिंग अकादमी के चीफ कोच रोशन लाल को भारतीय दल के कोच की कमान भी सौंपी गई है। लाल एशियन यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के 13 सदस्यीय दल को बाउट के गुण सिखाने के साथ ही बॉक्सर्स का मनोबल ऊंचा रखेंगे। दल के साथ डॉक्टर के रूप में डॉ विपिन भी शामिल हैं।

मप्र बॉक्सिंग अकादमी के बॉक्सर हैं अमर

यूएस ओपन में नहीं खेलेंगे नडाल

मेड्रिड। स्पेन के राफेल नडाल ने शुक्रवार को कहा कि पैर में चोट के कारण वह 2021 का सीजन जल्द ही खत्म करेंगे। इसका मतलब है कि वह 30 अगस्त से शुरू हो रहे यूएस ओपन का हिस्सा नहीं होंगे। नडाल ने ट्वीट कर कहा, मैं बताना चाहता हूं कि दुर्भाग्यवश मुझे 2021 का सीजन जल्द खत्म करना पड़ रहा है। ईमानदारी से कहूं तो मैं एक साल से अपने पैर से जूझ रहा हूं और मुझे कुछ समय चाहिए। उन्होंने आगे कहा, टीम और परिवार के साथ चर्चा करने के बाद मैंने यह फैसला किया है और मेरे ख्याल से यह रिकवर करने का सही रास्ता है। इस साल मैंने जो मिस किया वो मेरे लिए काफी मायने रखता है जिसमें विंबलडन और ओलंपिक शामिल हैं। पैर में चोट के कारण 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल को सिनसिनाटी मास्टर्स और पिछले सप्ताह कनाडा ओपन से बाहर रहना पड़ा था। नडाल उन तीन बड़े खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जो यूएस ओपन में पुरुष एकल वर्ग में नहीं होंगे। उनसे पहले गत चैंपियन डॉमिनिक थिएम कलाई में चोट के कारण बाहर हो गए थे जबकि रोजर फेडरर को घुटने की सर्जरी की वजह से सीजन खत्म करना पड़ा था।

रविचंद्रन अश्विन का खुलासा- लॉर्ड्स टेस्ट में मिलना था मौका, फिर टीम इंडिया ने इस कारण बदला प्लान

नई दिल्ली ।टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है. लॉर्ड्स टेस्ट में भारत ने इंग्लैंड को आखिरी दिन 151 रनों से हराया. उससे पहले नॉटिंघम में हुए सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया जीत के करीब आ गई थी, लेकिन बारिश ने उससे ये मौका छीन लिया. टीम इंडिया के इस दमदार प्रदर्शन के बावजूद एक सवाल लगातार उठता रहा, खास तौर पर मैच की शुरुआत में- 'रविचंद्रन अश्विन को मौका क्यों नहीं दिया गया?' खास तौर पर लॉर्ड्स टेस्ट में अश्विन को प्लेइंग इलेवन में न देखकर हर किसी ने हैरानी जताई थी. भले ही टेस्ट मैच के नतीजे पर इसका असर नहीं पड़ा, लेकिन सवाल उठता रहा और अब खुद दिग्गज स्पिनर ने इसका जवाब दिया है.

दुनिया के नंबर दो टेस्ट गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने बताया है कि उनका लॉर्ड्स टेस्ट में खेलना लगभग तय था और उन्हें टीम मैनेजमेंट की ओर से कहा भी गया था कि वह खेल सकते हैं, लेकिन फिर लंदन के मौसम ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया, जिसके कारण टीम 4 पेसरों के साथ उतरी और आखिरकार वह फैसला भी सही साबित हुआ. इस मैच में भारतीय पेसरों ने इंग्लैंड के 20 में से 19 विकेट झटके, जबकि स्पिनर रवींद्र जडेजा को कोई सफलता नहीं मिली.

बारिश के कारण बदल गया प्लान

लॉर्ड्स में टीम की जीत के बाद अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए वीडियो में इस मैच से जुड़े कई मुद्दों पर टीम के फील्डिंग कोच आर श्रीधर के साथ चर्चा की. इस दौरान अपने चयन के बारे में बोलते हुए अश्विन ने कहा कि मैच के दिन बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया. अश्विन ने कहा, मैच के लिये मौसम की भविष्यवाणी क्या थी? तेज गर्मी की भविष्यवाणी की गयी थी. मजेदार बात यह है कि मैच से पहले कह रहे थे, लू चल रही है, आप तैयार रहना. आप खेल सकते हो. जब हम नाश्ते के लिये आये तो बारिश हो रही थी. मौसम हमारे हाथ में नहीं है.

वहीं टीम में तेज गेंदबाजों के चयन पर बोलते हुए श्रीधर ने भी कहा कि टीम के पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण है और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर को अंतिम एकादश से बाहर रखना आसान नहीं है. लेकिन तेज गेंदबाजों ने भी अपना काम बखूबी किया. अश्विन ने भारत के लिए अपना पिछला टेस्ट मैच जून में साउथैंप्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था.

भारतीय एथलीट शैली सिंह फाइनल में

नैरोबी। लंबी कूद की उदीयमान एथलीट शैली सिंह ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को यहां अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 6.40 मीटर के साथ क्वॉलीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहकर फाइनल में जगह बनायी।

सत्रह वर्षीय शैली को भारतीय एथलेटिक्स का भावी स्टार माना जाता है। उन्होंने महिलाओं की लंबी कूद के ग्रुप बी में अपनी तीसरी और अंतिम छलांग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरी छलांग में 5.98 मीटर की दूरी तय की थी। शैली को पदक का दावेदार माना जा रहा है लेकिन रविवार को होने वाला फाइनल काफी कड़ा होगा क्योंकि उसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने जगह बनायी है। स्वीडन की 18 वर्षीय माजा असकाग ग्रुप ए में 6.39 मीटर के साथ शीर्ष पर और सभी प्रतिभागियों में दूसरे स्थान पर रही। उनके अलावा ब्राजील की लिसांद्रा मायसा कम्पोस (6.36 मीटर), जमैका की शांते फोरमैन (6.27 मीटर) और यूक्रेन की मारिया होरिलोवा (6.24 मीटर) भी पदक की दावेदार हैं। शैली ने जून में 6.48 मीटर छलांग लगाकर राष्ट्रीय (सीनियर) अंतरराज्यीय चैंपियनशिप जीती थी। झांसी में जन्मी शैली को उनकी मां ने पाल पोसकर बड़ा किया। उनकी मां कपड़े सिलकर आजीविका चलाती है। शैली अभी बेंगलुरू में लंबी कूद की प्रसिद्ध एथलीट अंजू बॉबी जार्ज की अकादमी में प्रशिक्षण लेती है। अंजू के पति बॉबी जार्ज उनके कोच हैं। अन्य स्पर्धाओं में नंदिनी अगसारा ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के सेमीफाइनल के लिये क्वॉलीफाई किया। वह चौथी हीट में चौथे और कुल 21वें स्थान पर रही। लेकिन तेजस शिरसे (पुरुषों की 100 मीटर बाधा दौड़), पूजा (महिलाओं की 1500 मीटर दौड़) और षणमुगा श्रीनिवास (पुरुषों की 200 मीटर दौड़) सेमीफाइनल के लिए क्वॉलीफाई नहीं कर पाये।

एथलेटिक्स चैंपियनशिप
6.40 मीटर के साथ क्वॉलीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रही

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की कैमिस्ट्री का दीवाना हुआ इंग्लैंड का पूर्व कप्तान

नई दिल्ली । भारत ने लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 151 रनों से करारी हार सौंपी थी. एक समय लग रहा था कि ये मैच इंग्लैंड की झोली में चला जाएगा लेकिन भारतीय टीम ने दमदार वापसी की और इंग्लैंड के मैच छीन उसे हराते हुए पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है. इस मैच में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की बल्लेबाजी मैच का टर्निंग प्वाइंट रही थी. इन दोनों ने नौवें विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी कर टीम को मैच में वापस ला दिया था. पांचवें दिन इन दोनों गेंदबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों का मजाक बना दिया था. शमी ने नाबाद 56 रन बनाए थे तो वहीं बुमराह ने नाबाद 34 रनों की पारी खेली थी. इन दोनों ने यह साझेदारी तब की थी जब लगा था कि इंग्लैंड भारत को जल्द समेट देगी, लेकिन इन दोनों ने ऐसा नहीं हुआ.

भारत ने चौथी पारी में इंग्लैंड के सामने 272 रनों की चुनौती रखी थी. मैच को ड्रॉ कराने के लिए दो सेशन खेलने थे लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को महज 120 रनों पर ही ढेर कर दिया था.

इस मैच के बाद बुमराह और शमी की चारों तरफ तारीफ हो रही है. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर भी इन दोनों के फैन बन गए हैं. गॉवर ने कहा है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने आप से इस तरह की बल्लेबाजी की उम्मीद नहीं की होगी